RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 229 , शुक्रवार, 02 अक्टूबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का गांधी मैदान में खेल महोत्सव का भव्य... 03

एसएसबी जवानों ने चलाया स्वच्छता अभियान... 04

बेटे से दूर होने का ख्याल इतना भारी था वह पूरे तीन घेटे के सफर में रोती... 07

सबरीमाला मंदिर में 'हलाल गुड़' का विवाद !

भगवान अयप्पा मंदिर में धार्मिक परंपराओं का पालन जरूरीः केरल हाई कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पश्चिमी घाट में स्थित सबरीमाला मंदिर भगवान अयप्पा को समर्पित एक प्राचीन और प्रसिद्ध हिंदू तीर्थ स्थल है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव और विष्णु के मोहिनी रूप के पुत्र भगवान अय्यप्पा ने महिषासुरिणि महर्षि का वध करने के बाद यहाँ ध्यान लगाया था। केरल के हिंदुओं में इस मंदिर को लेकर बड़ी आस्था है। लेकिन पिछले दिनों मंदिर के प्रसाद से जुड़ा एक विवाद कोर्ट तक पहुंचा। मामला था मंदिर प्रसादम में हलाल गुड़, जो मुस्लिमों की आस्था से जुड़ा है, उसके इस्तेमाल का। केरल हाई कोर्ट ने

सबरीमाला मंदिर में प्रसाद और नैवेद्य तैयार करने के लिए खरीदी गई 'हलाल प्रमाणित' गुड़ की पैकेजिंग को लेकर दायर याचिका का निपटारा करते हुए ट्रावणकोर देवस्वम बोर्ड को कहा कि पूजा सामग्री निर्धारित गुणवत्ता मानकों के साथ साथ मंदिर में लागू धार्मिक रीति रिवाजों और आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए।

मंदिर में 'हलाल गुड़' कैसे पहुंचा

हाई कोर्ट के सामने रखी जानकारी के मुताबिक मंदिर के बोर्ड ने ई-टेंडर प्रक्रिया के जरिए गुड़ की बड़ी मात्रा खरीदने की प्रक्रिया अपनाई थी। महाराष्ट्र की कंपनी Vardhan Agro Processing Limited सबसे कम बोली लगाने वाली थी और उसे 19,96,034 किलोग्राम गुड़ पाउडर की आपूर्ति करनी थी। कंपनी कुछ पश्चिम एशियाई देशों में भी गुड़ निर्यात करती थी। कोर्ट के अनुसार इसी निर्यात कारोबार के कारण पैकेजिंग पर 'हलाल प्रमाणन' का निशान मौजूद था। मंदिर में प्रसाद के रुप में अरवणा और उन्नियप्पम जैसे व्यंजन भक्तों में खासे लोकप्रिय हैं। जिनके लिए गुड़ की जरूरत होती है।

विवाद की शुरुआत

दरअसल, यह मामला 2021 में एस.जे.आर. कुमार की ओर से दायर रिट याचिका से शुरू हुआ था। याचिकाकर्ता ने सबरीमाला मंदिर के प्रसिद्ध अरवणा और उन्नियप्पम जैसे प्रसाद तैयार करने में कथित तौर पर हलाल गुड़ की खरीदारी हुई है। उनका तर्क था कि हलाल प्रमाणन दूसरे धार्मिक समुदाय की धार्मिक मान्यताओं और प्रक्रियाओं से जुड़ा है, इसलिए ऐसे गुड़ को भगवान अयप्पा के नैवेद्यम् के लिए इस्तेमाल करना मंदिर की परंपराओं के विपरीत होगा। याचिका में केवल उच्च गुणवत्ता और 'सात्विक' सामग्री के इस्तेमाल की मांग भी की गई थी।

कॉमर्शियल सिलेंडर 70 रुपए महंगा

केबायसी नहीं तो आज से एलपीजी सब्सिडी नहीं, एसी-टीवी फ्रिज महंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर 2026 में सिलेंडर, हवाई ईंधन, बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट और सरकारी योजनाओं से जुड़े 7 बदलाव हो रहे हैं। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रू. 70 रुपए तक महंगा कर दिया है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च मामूली बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ता महंगा कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। वहीं किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं।

वेरिफिकेशन नहीं तो एलपीजी सब्सिडी नहीं- 1 अक्टूबर 2026 से सब्सिडी वाले रेट पर एलीपीजी गैस सिलिंडर बुक करने के लिए ग्राहकों को बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन (केबायसी) पूरा करना अनिवार्य कर दिया गया है। जिन लोगों का ई केबायसी पहले से है, उनके लिए कोई बदलाव नहीं होगा। जिन ग्राहकों ने बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं कराया है, वे सब्सिडी वाले रेट पर गैस बुक नहीं कर पाएंगे। हालांकि, गैस सिलिंडर की सप्लाई या बुकिंग बंद नहीं होगी। जैसे ही ग्राहक अपना ईकेबायसी पूरा कर लेंगे, उन्हें फिर से सब्सिडी वाले दामों पर सिलेंडर मिलने लगेगा।

संक्षिप्त समाचार

9/11 जैसा हमला होने से बचा लियाः नेतन्याहू

- पीएम मोदी ने की फ्लाई दुबई के जांबाज कैप्टन स्मित मछार की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में बीते दिन हुई घटना में कैप्टन स्मित ने साहस दिखाते हुए सैकड़ों यात्रियों की जान बचाई। अब उनके साहस की दुनिया सराहना कर रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर कैप्टन स्मित की बहादुरी

को सराहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, कल हुई घटना में भारत के कैप्टन स्मित ने अद्भुत धैर्य, सूझ-बूझ और साहस का परिचय दिया। सचमुच, जैसा कि आज इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा की एक भारतीय ने 9/11 जैसी त्रासदी को होने से रोक दिया।

भारतीय सेना में बड़ा बदलाव

लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क बने उपसेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना में बड़े लेवल पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में बदलाव हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क ने भारतीय सेना में उपसेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं सस्टेनेंस) का पदभार संभाला है। गुरुवार को उन्होंने यह महत्वपूर्ण पद व जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क पश्चिमी मोर्चे पर एक कोर के कमांडर के रूप में अहम जिम्मेदारी निभा रहे थे। नई नियुक्ति के अंतर्गत लेफ्टिनेंट जनरल विर्क भारतीय सेना की क्षमता विकास और उसे बनाए रखने से जुड़ी पहलों की निगरानी करेंगे। बदलते सुरक्षा माहौल में सेना की सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत और प्रभावी बनाए रखना इस जिम्मेदारी का अहम हिस्सा होगा।

महीने के पहले दिन शेयर मार्केट लहूलुहान, 10 लाख करोड़ स्वाहा!

नई दिल्ली(एजेंसी)। सितंबर में शेयर बाजार में भारी बिकवाली रही और निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। माना जा रहा था कि अक्टूबर का महीना निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आएगा क्योंकि ऐतिहासिक रूप से यह महीना शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा है। लेकिन महीने के पहले ही दिन निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। संसेक्स और निफ्टी दोनों में 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई।

एशियन गेम्स 2026

भारत-पाकिस्तान में होगा फाइनल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

यूपीएससी पर भरोसा अटूट है : पीएम मोदी

- शताब्दी समारोह में बोले, आईएएस-आईपीएस बनाने वाली संस्था के 100 साल पूरे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में यूपीएससी के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोग की भूमिका और देश की प्रशासनिक व्यवस्था में उसके योगदान को रेखांकित किया। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे किए। इस अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय शताब्दी समारोह 'मंथन' आयोजित किया गया। आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को हुई थी।

इस दौरान किताब, डाक टिकट और सिक्का जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि इन 100 साल में पीएससी ने सिविल सेवाओं के लिए निष्पक्ष और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बिहार में गंडक नदी उफान पर

सारण और मुजफ्फरपुर में तटबंध टूटे; कई इलाके बाढ़ की चपेट में, नेशनल हाइवे तक पहुंचा पानी

पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकेर प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फैल गया है। इससे मकेर प्रखंड की सभी पंचायतें और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है। वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले की 18 पंचायतों के 48 गांव बाढ़ से प्रभावित थे। प्रभावित आबादी करीब 24,725 और लगभग 4,220 परिवार हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है।

प्रभावित पंचायतों में नाव की व्यवस्था- जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि मकेर में तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से फैल रहा है।

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, स्कूल-मंदिरों में घुसा पानी : लखनऊ के कई इलाके जलमग्न; गोंडा में 30 गांव टापू बने- यूपी में बारिश थमने के बावजूद नदियां उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। लखनऊ में सई और गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर

गया है। सड़कें जलमग्न हो गई हैं। बाराबंकी में पानी सरकारी स्कूलों और मंदिरों तक में घुस गया है। गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। रास्ते पूरी तरह डूब चुके हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। गलियों में नावें चलाई जा रही हैं। वहीं, बाढ़ के पानी में डूबने से 2 युवकों की मौत हो गई। उन्नाव में भी बाढ़ के तेज बहाव में सड़क बह गई है।

एमपी में 100 प्रतिशत सरकारी विफलता, लोकसभा में उठाऊंगा आदिवासियों का मुद्दा, ये देश के मालिक

- राहुल गांधी का मप्र सरकार पर हमला, बोले-

बालाघाट (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में जहां भी जाते हैं, वहां उन्हें सरकार की विफलता दिखाई देती है।

राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के

बालाघाट के जगला गांव में बैगा आदिवासियों से मुलाकात की। वे यहां बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों से मिलने पहुंचे थे। एक घंटे की मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि आदिवासी देश के पहले मालिक हैं, उन्हें उनका हक मिलना चाहिए, लेकिन एमपी में ऐसा नहीं हो रहा है।

2008 अहमदाबाद धमाकेः इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य की फांसी पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अहमद बावा उर्फ अब्बू अबुबकर बरलेवी की याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। बावा ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसे सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष

अदालत ने मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड भी तलब किया है।

38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी हाईकोर्ट ने- 7 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों को सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने बड़ी संख्या में लोगों की मौत, हमले की साजिश रचने और आतंक फैलाने का दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी।

ड्राफ्ट के आधार पर मतदाता सूची से नाम नहीं हटा सकते : बाम्बे हाईकोर्ट

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि एसआईआर के तहत तैयार ड्राफ्ट मतदाता सूची, किसी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटाने का आधार नहीं हो सकती। अदालत ने कहा कि प्रशासनिक सॉफ्टवेयर सिस्टम, वैधानिक कानूनों की जगह नहीं ले सकते।

हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने चुनाव आयोग से उन प्रावधानों को लेकर भी सवाल किया, जो उसे बिना सुनवाई के मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटाने का अधिकार देते हैं। अदालत ने कहा कि यह स्थिति बहुत चिंताजनक है।

आरएसएस ने देशभर में एनआरसी कराने की मांग दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और जनगणना को लेकर चल रही चर्चा के बीच आरएसएस ने देशभर में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) कराने की मांग दोहराई है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- यह साफ होना चाहिए कि कौन भारतीय नागरिक है और कौन नहीं।

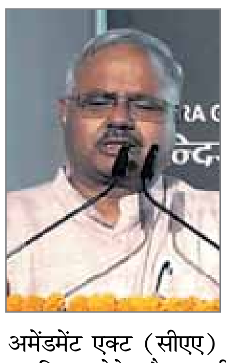

आंबेकर ने कहा कि वोटर लिस्ट में गलत तरीके से शामिल गैर-नागरिकों की पहचान जरूरी है। उन्होंने सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) के तहत पात्र लोगों को नागरिकता देने और उनकी पहचान एनआरसी के जरिए करने की बात भी कही।

आंबेकर ने जनसंख्या में बदलाव को 1947 के विभाजन से जोड़ते हुए कहा कि जनसंख्या संतुलन देश की सांस्कृतिक पहचान, एकता और सुरक्षा से जुड़ा है।

राजस्थान के आसमान में 80 फाइटर जेट की डॉगफाइट

राफेल-एफ-35-सुखोई-तेजस ने दिखाया दम

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर एयरबेस पर आयोजित तरंगशक्ति युद्धाभ्यास 2026 के दौरान आसमान में हैरतअंगेज नजारे देखने को मिल रहे हैं। इसके चलते पश्चिमी राजस्थान का एयरस्पेस किसी वास्तविक युद्ध क्षेत्र की तरह नजर आने लगा, जहां एक साथ 60 से 80 लड़ाकू विमानों ने जटिल हवाई मिशनों को अंजाम दिया।

अभ्यास के तहत लार्ज फोर्स एम्प्लॉयमेंट के जरिए विभिन्न श्रेणियों और ताकतों के विमानों का एक बड़ा पैकेज तैयार किया गया। जिसमें लड़ाकू विमानों को अलग-अलग फोर्स पैकेज में बांटकर कहीं दुश्मन के हवाई हमले को रोकने का अभ्यास किया गया, तो कहीं अपने विमानों को सुरक्षित लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए हवाई सुरक्षा कवच तैयार किया गया।

वन-ऑन-वन डॉगफाइट और एयर कॉम्बैट ट्रेनिंग- इससे पहले के चरण में भारत और विदेशी लड़ाकू विमानों के बीच वन-ऑन-वन और टू-ऑन-वन जैसी कठिन डॉगफाइट और एयर कॉम्बैट ट्रेनिंग हुई। इस युद्धाभ्यास को सबसे खास बनाया विभिन्न देशों के अत्याधुनिक फाइटर जेट्स के एक साथ संचालन ने। जिसमें कई देशों के प्रमुख लड़ाकू विमान शामिल हैं।

फ्रांस और भारत के राफेल, अमेरिका का स्न-35, और भारतीय वायुसेना के तेजस व सुखोई-30 MKI जैसे शक्तिशाली लड़ाकू विमानों ने एक ही युद्ध क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

इस बड़े ऑपरेशन में केवल फाइटर जेट ही नहीं, बल्कि एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग यानी हवा में ईंधन भरना, एयरलिफ्ट और अन्य सपोर्ट मिशनों को भी शामिल किया गया। यह बड़ा ऑपरेशनल अभ्यास केवल जोधपुर तक सीमित नहीं था। जोधपुर के साथ-साथ राज्य के अन्य प्रमुख एयरबेस भी इस विशाल नेटवर्क का हिस्सा रहे।

श्रीगंगानगर में कचरा प्लांट को लेकर

हनुमान-बेनीवाल ने समर्थकों के साथ 4-घंटे तक किया हाईवे जाम, प्रदर्शन

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। श्रीगंगानगर के नरसिंहपुरा-मांझूवास-बारानी क्षेत्र में प्रस्तावित ठोस कचरा प्रबंधन प्लांट को लेकर हनुमान बेनीवाल और प्रशासन के बीच सहमति बन गई है।

श्रीगंगानगर उपखंड अधिकारी नयन गौतम रात करीब 2 बजे नेशनल हाईवे (एनएच-62) पर प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्लांट को लेकर कमेटी फिर से विचार करेगी। उनकी डिमांड जयपुर भेजी जाएगी। इसके बाद हनुमान बेनीवाल और उनके सैकड़ों समर्थकों ने करीब चार घंटे से जाम हाईवे को खोल दिया। दरअसल, प्रस्तावित ठोस कचरा प्रबंधन प्लांट के विरोध में ग्रामीण 5 महीने से आंदोलन कर रहे थे। प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सहमति नहीं बनने के बाद बुधवार को नरसिंहपुरा-बिरानी में

महापंचायत भी हुई थी।

यहां पहुंचे सांसद हनुमान बेनीवाल ने मांगों को लेकर करीब 100 गाड़ियों के काफिले के साथ श्रीगंगानगर कलेक्ट्रेट की ओर कूच किया था।

संक्षिप्त समाचार

दानापुर-सासाराम से चर्लपल्ली के लिए चलेंगी पूजा स्पेशल ट्रेनें, दुर्गा पूजा, दीपावली के लिए रेलवे ने बढ़ाई सुविधा

हाजीपुर। हाजीपुर में दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दानापुर और सासाराम से चर्लपल्ली के लिए स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। इसके साथ ही पटना-चर्लपल्ली के बीच पहले से चल रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन की अवधि भी बढ़ाई गई है। इससे बिहार से दक्षिण भारत की ओर जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेन सुविधा मिलेगी। दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशलः ट्रेन संख्या 07049 चर्लपल्ली से 4 अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को सुबह 9:30 बजे खुलेगी और अगले दिन शाम 7:45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 07050 दानापुर से 5 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को रात 9:15 बजे खुलेगी और तीसरे दिन सुबह 7:30 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी। ट्रेन डीडीयू, बक्सर और आरा समेत विभिन्न स्टेशनों पर रुकेगी। हैदराबाद-दानापुर स्पेशलः ट्रेन संख्या 07091 हैदराबाद से 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को दोपहर 12 बजे खुलेगी और तीसरे दिन रात 12:30 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में 07092 दानापुर से 5 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को सुबह 3 बजे खुलेगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी। सासाराम-चर्लपल्ली स्पेशलः ट्रेन संख्या 07041 चर्लपल्ली से 8 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को सुबह 8 बजे खुलेगी और अगले दिन शाम 4:30 बजे सासाराम पहुंचेगी।

वापसी में 07042 सासाराम से 9 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को शाम 7 बजे खुलेगी और तीसरे दिन सुबह 3:30 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी। ट्रेन भभुआ रोड और डीडीयू समेत विभिन्न स्टेशनों पर रुकेगी। पटना और चर्लपल्ली के बीच चल रही स्पेशल ट्रेनों का परिचालन भी बढ़ाया गया है। 03253 पटना-चर्लपल्ली 5 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार और बुधवार को चलेगी। 03254 चर्लपल्ली-पटना 7 अक्टूबर से 2 दिसंबर तक प्रत्येक बुधवार को और 03255 चर्लपल्ली-पटना 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित होगी। ये ट्रेनें गया, कोडरमा, गोमो, रांची, बिलासपुर, रायपुर, नागपुर और काजीपेट के रास्ते चलेंगी।

हाजीपुर गोलीकांड-फरार 2 आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार, ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंची

हाजीपुर। हाजीपुर के बिदुपुर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव में करीब दो महीने पहले हुए गोलीकांड में फरार चल रहे दो नामजद आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। न्यायालय के आदेश पर बिदुपुर पुलिस ढोल-नगाड़े के साथ आरोपियों के घर पहुंची और इश्तेहार चिपकाया। पुलिस ने गांव में मुनादी कर आशुतोष और किशन को एक सप्ताह के भीतर न्यायालय या थाने में सरेंडर करने का निर्देश दिया। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर दोनों आरोपी सरेंडर नहीं करते हैं तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। करीब दो महीने पहले इस्माइलपुर निवासी राहुल कुमार अपनी जमीन पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान गांव के आशुतोष, किशन और अशोक सिंह मौके पर पहुंचे और निर्माण का विरोध करने लगे। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। विवाद के दौरान फायरिंग की गई, जिसमें राहुल कुमार के पैर में गोली लग गई थी। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी अशोक सिंह को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं आशुतोष और किशन घटना के बाद से ही फरार चल रहे हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अब न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार चिपकाकर उन्हें सरेंडर करने का अंतिम मौका दिया गया है।

सोनपुर रेल मंडल में 9 सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान, शॉल और पेंशन भुगतान आदेश देकर सम्मानित किया गया

हाजीपुर। सोनपुर के पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में सितंबर माह में सेवानिवृत्त हुए रेलकर्मियों के लिए बुधवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभा कक्ष में समापन भुगतान एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 9 सेवानिवृत्त कर्मचारियों और 5 मृत रेल कर्मचारियों के परिजनों को सम्मानित किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और मृत रेलकर्मियों के परिजनों को शॉल एवं पेंशन भुगतान आदेश (PPO) प्रदान किया। रेल प्रशासन ने कर्मचारियों की सेवाओं के लिए आभार जताते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिजनों को सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले विभिन्न लाभों और सुविधाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पेंशन समेत अन्य देय सुविधाओं की प्रक्रिया के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, मंडल लेखा अधिकारी (प्रभारी), सहायक कार्मिक अधिकारी सहित मान्यता प्राप्त यूनियन, एससी/एसटी एसोसिएशन और ओबीसी एसोसिएशन के अध्यक्ष व सचिव मौजूद रहे। सोनपुर मंडल प्रशासन ने कहा कि सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के सम्मान और उनके कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है। समारोह के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति रेल प्रशासन ने सम्मान और कृतज्ञता भी व्यक्त की।

वैशाली में महुआ थाने के एसआई और ट्रेनी एसआई सस्पेंड, पैसे मांगने का आरोप, ऑडियो वायरल

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाने में पैसे मांगने की शिकायत और ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। SSP ने महुआ थाने के अपर थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर सोनू कुमार गुप्ता और ट्रेनी सब इंस्पेक्टर दीनबंधु कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। वैशाली SSP कार्यालय से 30 सितंबर 2026 को जारी बयान के अनुसार, 27 सितंबर को पुलिस अधिकारियों को शिकायत मिली थी। शिकायत में सब इंस्पेक्टर सोनू कुमार गुप्ता और ट्रेनी सब इंस्पेक्टर दीनबंधु कुमार पर पैसे मांगने का आरोप लगाया गया था। इसी दौरान पैसे मांगने से जुड़ा एक कथित ऑडियो भी वायरल होने की बात सामने आई। शिकायत मिलने के बाद महुआ SDPO को मामले की जांच सौंपी गई। SDPO ने प्रारंभिक जांच के बाद अपनी रिपोर्ट SSP को सौंपी। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में दोनों पुलिसकर्मियों का व्यवहार संदिग्ध और अनुशासनहीनता वाला पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर SSP ने अपर थानाध्यक्ष सोनू कुमार गुप्ता और ट्रेनी सब इंस्पेक्टर दीनबंधु कुमार को निलंबित कर दिया। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई के बाद महुआ थाने में भी मामला चर्चा में है। निलंबन अवधि के दौरान दोनों पुलिसकर्मियों का मुख्यालय हाजीपुर पुलिस केंद्र निर्धारित किया गया है। पुलिस विभाग की ओर से बताया गया है कि मामले में आगे की विभागीय कार्रवाई जारी है।

रिंग बांध में रिसाव, गंडक नदी का जलस्तर बढ़ा

हाजीपुर। हाजीपुर में लालगंज प्रखंड के पीरापुर स्थित वार्ड-5 के रिंग बांध में रिसाव और कटाव की खबर मिलते ही जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह रात में ही मौके पर पहुंच गईं। गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने के बीच डीएम ने पूरी रात वहीं रहकर बचाव और सुरक्षा के कामों की निगरानी की। रिसाव और कटाव को रोकने के लिए बांध को मजबूत करने का काम तुरंत शुरू कराया गया। डीएम ने अधिकारियों और तकनीकी टीम को जरूरी निर्देश दिए और काम पर लगातार नजर रखी। उनकी निगरानी में सुबह करीब 4 बजे तक सभी सुरक्षात्मक काम पूरे कर लिए गए। गंडक नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी और कटाव की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों को बांध पर लगातार नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है।

'रोको-टोको' अभियान के दौरान पुलिस दीदी को मारा थप्पड़

सीसीटीवी में कैद घटना, रोको-टोको' अभियान में युवक को रोककर पूछताछ कर रही थी टीम

एजेंसी, पटना

पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र में 'रोको-टोको' अभियान के दौरान एक पुलिस दीदी और उनकी टीम से मारपीट की गई। घटना बुधवार देर शाम खेमनीचक स्थित सुभाष चौक के पास हुई, जिसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। सब इंस्पेक्टर प्रियंका कुमारी अपनी पांच महिला आरक्षियों के साथ खेमनीचक इलाके में गश्त कर रही थीं। उन्होंने सुभाष चौक के पास कुछ संदिग्ध युवकों को रोककर पूछताछ की।

युवक ने पुलिस दीदी की टीम से धक्का-मुक्की कीः इसी दौरान एक युवक ने पुलिस की पूछताछ का विरोध करते हुए टीम से बहस और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने फुटेज के आधार पर मारपीट करने वाले युवक की पहचान शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में वह लॉज में रहने वाला छात्र बताया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

पटना सदर के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 मनोज कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सब इंस्पेक्टर प्रियंका कुमारी, पांच महिला आरक्षियों के साथ खेमनीचक के समीप गश्ती कर रही थीं।

लॉज में रहने वाले छात्र के रूप में युवक की हुई पहचानः रोको-टोको अभियान के तहत कुछ युवकों को रोककर पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम के साथ मारपीट की घटना हुई। प्रारंभिक जांच में युवक की पहचान लॉज में रहने वाले छात्र के रूप में हुई है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

घरेलू उपभोक्ता को आया 2.33 करोड़ का बिजली बिल

एजेंसी, पटना

♦ **सिस्टम की गड़बड़ी देखकर सदमे में बिगड़ी तबीयत, विभाग ने नया बिल किया जारी**

पटना के गुलजारबाग के एक घरेलू बिजली उपभोक्ता को अचानक 2 करोड़ 33 लाख 24 हजार 112 रुपए का बिजली बिल भेज दिया गया। इतनी बड़ी रकम देखकर उपभोक्ता कृष्णा प्रसाद सिंह घबरा गए और उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें संभाला और दवा दी। शिकायत के बाद बिजली विभाग ने बिल में तकनीकी गड़बड़ी मानते हुए अगले ही दिन इसे सुधार दिया।

30 सितंबर को मोबाइल पर देखा तो 206 रुपए था बैलेंसः कृष्णा प्रसाद सिंह के मुताबिक, 30 सितंबर को उन्होंने मोबाइल पर अपना बिजली खाता चेक किया था। उस समय खाते में सिर्फ 206 रुपए का बैलेंस दिख रहा था। कुछ देर बाद दोबारा मोबाइल पर बिजली बिल देखा तो खाते में 2.33 करोड़ रुपए की राशि दिखाई दी। अचानक इतनी बड़ी रकम का बिल देखकर वह परेशान हो गए और गिर पड़े। परिजनों ने तुरंत उन्हें संभाला। इसके बाद उनके बेटे ने बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत की।

शिकायत के बाद बिजली विभाग ने बिल की जांच की। विभाग की ओर से बताया गया कि सिस्टम में गड़बड़ी के कारण खाते में गलत राशि प्रदर्शित हो गई थी। उपभोक्ता को आश्वस्त किया गया कि बिल को जल्द ठीक कर दिया जाएगा। बिजली विभाग ने 1 अक्टूबर को उपभोक्ता के खाते में सुधार कर दिया।

अनंत सिंह के रोड शो के बीच नीतीश की बैठक

एजेंसी, पटना

जदयू विधायक अनंत सिंह और MLC नीरज कुमार का विवाद सुर्खियों में है। इस बीच एमएलसी चुनाव के लिए पटना स्नातक से पीके के कैंडिडेट अनुज सिंह के नामांकन में आज अनंत सिंह पहुंचे। उन्होंने अनुज सिंह के लिए खुली जीप में रोड शो भी किया। बयान दिया कि अनुज सिंह को हमने कैंडिडेट बनाया है और अनुज सिंह ही चुनाव जीतेंगे। ये पार्टी का चुनाव नहीं है। अनंत सिंह जब अनुज सिंह के लिए रोड शो कर रहे थे, तभी पूर्व सीएम नीतीश कुमार के आवास पर एक बैठक हुई। बैठक में जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और बिहार सरकार में डिप्टी सीएम बिजेन्द्र यादव मौजूद रहे। यह मीटिंग 2 घंटे चली। चर्चा है कि मीटिंग में अनंत सिंह और नीरज विवाद को लेकर बातें हुई। साथ ही सीएमओ से हटे दीपक कुमार को भी लेकर

बैठक में तीनों नेताओं के बीच मंथन हुआ। करीब दो घंटे तक चली बैठक के बाद संजय झा और बिजेंद्र यादव बाहर निकले। दोनों नेताओं ने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। संजय झा से मीडिया ने जब सवाल किया कि अनंत सिंह अनुज सिंह के नामांकन में पहुंचे हैं। इस पर जदयू कार्यकारी अध्यक्ष ने कुछ नहीं कहा और हाथ जोड़कर आगे निकल गए। अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहे बयानबाजी को लेकर प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और मंत्री श्रवण कुमार ने भी मंगलवार को पूर्व सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की थी।

एआई से खोजी जाएगी बिहार की खेल प्रतिभा

एजेंसी, पटना

बिहार में खेल प्रतिभाओं की पहचान अब AI की मदद से की जाएगी। कैमरों की मदद से खिलाड़ी के शरीर पर सेंसर लगाए बिना उनकी तकनीक का विश्लेषण किया जाएगा। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को साइंटिफिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (BSSA) और IIT मद्रास के बीच बुधवार को समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हुआ। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), खेल विज्ञान, IoT और डेटा एनालिसिस की मदद से खिलाड़ियों की क्षमता और प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा।

मशाल के आंकड़ों से बनेगा बिहार का अपना खेल मानकः इस पहल में 'मशाल' कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों से जुटाए गए आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाएगा। बच्चों की लंबाई, वजन, दौड़, कूद और फेंक सहित सात शारीरिक एवं प्रदर्शन संबंधी मानकों का डेटा IIT मद्रास के विशेषज्ञ AI और उन्नत सांख्यिकी के जरिए विश्लेषण करेंगे। इसके आधार पर विकास एवं फिटनेस मानक, एथलेटिक क्षमता सूचकांक और जिला स्तर पर प्रतिभा का डेटा तैयार किया जाएगा। इससे खासकर ग्रामीण और दूरदराज

के क्षेत्रों में मौजूद प्रतिभाओं की पहचान अधिक वैज्ञानिक तरीके से करने में मदद मिलेगी। मशाल कार्यक्रम पहले से स्कूल स्तर से प्रतिभाओं को चिन्हित कर उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण से जोड़ने की व्यवस्था पर काम कर रहा है।

बिना सेंसर कैमरे से जांची जाएगी खिलाड़ी की तकनीकः समझौते के तहत भारोत्तोलन प्रशिक्षण केंद्र में AI आधारित सेंसर-रहित गति विश्लेषण प्रणाली भी विकसित की जाएगी। इसमें कैमरों की मदद से खिलाड़ी के शरीर पर सेंसर लगाए बिना उसके भार उठाने की तकनीक, संतुलन और मूवमेंट का विश्लेषण किया जाएगा। इससे कोचों को खिलाड़ी की तकनीकी क्षमता और कमियों का अधिक

♦ **बिना सेंसर कैमरे से जांची जाएगी खिलाड़ी की तकनीक**

वस्तुनिष्ठ आकलन करने में मदद मिलेगी। IIT मद्रास का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स साइंस एंड एनालिटिक्स (CESSA) भी AI, डेटा साइंस, IoT और बायोमैकेनिक्स आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी पर काम करता है।

आगे दूसरे खेलों में भी लागू हो सकता है मॉडलः BSSA के अनुसार, शुरुआती स्तर पर तैयार किए जा रहे इस मॉडल को आगे चलकर भारोत्तोलन के अलावा अन्य खेलों में भी लागू किया जा सकता है। पहचान-रहित डेटा का इस्तेमाल करने और डेटा प्रबंधन में जिम्मेदार एवं सुरक्षित AI के सिद्धांतों का पालन करने की बात कही गई है। तैयार डेटा, डैशबोर्ड और AI मॉडल BSSA की संपत्ति रहेंगे। BSSA के महानिदेशक-सह-सीईओ रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में बच्चों का डेटा जुटाया गया है। अब IIT मद्रास की विशेषज्ञता के जरिए इसका इस्तेमाल प्रतिभा पहचान और प्रशिक्षण को बेहतर बनाने में किया जाएगा। उनका लक्ष्य बिहार के गांवों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराना है।

25 नवंबर से शुरू होगी इग्नू की टर्म-एंड परीक्षा

एजेंसी, पटना

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की दिसंबर 2026 टर्म-एंड परीक्षा (TEE) 25 नवंबर 2026 से शुरू होगी। परीक्षा के सुचारु संचालन और शिक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र (RC) पटना के अंतर्गत आने वाले 17 जिलों में नियमित शिक्षार्थियों के लिए 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा काराबंदी शिक्षार्थियों के लिए छह विशेष परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। क्षेत्रीय केंद्र पटना ने परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में शिक्षार्थियों की सुविधा, भौगोलिक स्थिति और आवागमन को प्राथमिकता दी है। जमुई, छपरा, सिवान, गया, लालगंज और भभुआ जैसे ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में भी परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराए गए हैं। इसका उद्देश्य संबंधित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने के लिए लंबी दूरी तय करने की परेशानी से बचाना है।

शिक्षार्थियों की सुविधा पहली प्राथमिकताः इग्नू क्षेत्रीय केंद्र पटना के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ई. कृष्ण राव ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में शिक्षार्थियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2026 TEE के लिए 17 जिलों में नियमित शिक्षार्थियों

के लिए 22 केंद्रों के साथ काराबंदी शिक्षार्थियों के लिए छह विशेष केंद्रों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने शिक्षार्थियों से समय रहते Samarth Portal के माध्यम से परीक्षा फॉर्म भरने और अपनी सुविधा तथा आवागमन को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र का चयन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि बिना विलंब शुल्क परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर 2026 है। इसके बाद 8 से 15 अक्टूबर 2026 तक 1,100 विलंब शुल्क के साथ फॉर्म जमा किया जा सकेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी परीक्षा केंद्रः क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आसिफ इकबाल ने कहा कि परीक्षा केंद्रों का निर्धारण शिक्षार्थियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखकर किया गया है। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने से वहां के शिक्षार्थियों

❐ **पटना क्षेत्रीय केंद्र के 17 जिलों में बनेंगे 22 एग्जाम सेंटर, जेल कैदियों के लिए भी विशेष व्यवस्था**

को लाभ मिलेगा। उन्होंने शिक्षार्थियों को सलाह दी कि परीक्षा फॉर्म जमा करने से पहले चुने गए परीक्षा केंद्र की जानकारी की पुष्टि कर लें। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से जारी परीक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

काराबंदी शिक्षार्थियों के लिए छह विशेष केंद्रः सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. नीलू शर्मा ने कहा कि ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता के साथ काराबंदी शिक्षार्थियों के लिए विशेष केंद्रों की व्यवस्था इग्नू की समावेशी परीक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। इसका उद्देश्य परिस्थितियों के बावजूद शिक्षार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने और टर्म-एंड परीक्षा में शामिल होने का अवसर उपलब्ध कराना है।

दिसंबर 2026 TEE के लिए परीक्षा फॉर्म Samarth Portal के माध्यम से ऑनलाइन भरा जाएगा। बिना विलंब शुल्क के आवेदन की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर और विलंब शुल्क के साथ आवेदन की अवधि 8 से 15 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है।

पटना नगर निगम ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

एक दिन में जुटाया रिकॉर्ड 3.61 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के विशेष प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन अभियान के अंतिम दिन रिकॉर्ड 3.61 करोड़ रुपये से अधिक प्रॉपर्टी टैक्स जमा हुआ। बुधवार को शाम 7 बजे तक 1,900 से अधिक संपत्तिधारकों से यह राशि प्राप्त हुई। यह चालू वित्तीय वर्ष में एक दिन में हुआ अब तक का सबसे बड़ा प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन है। इससे पहले 30 जून को एक दिन में 3.36 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स जमा हुआ था। बुधवार को यह रिकॉर्ड भी टूट गया। प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान की अंतिम तारीख होने के कारण निगम के सभी अंचलों के टैक्स काउंटरों पर सुबह से ही लोगों की भीड़ रही। भुगतान की सुविधा के लिए काउंटरों को देर रात तक खुला रखा गया।

बुधवार को सबसे अधिक संपत्ति कर नूतन राजधानी अंचल से मिला।

यहां 397 संपत्तियों से करीब 2.08 करोड़ रुपये जमा हुए। देर रात तक टैक्स काउंटर खुले रहने के कारण अंतिम संग्रहण में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। राजस्व संग्रह के साथ निगम ने नई संपत्तियों का कर निर्धारण भी किया। बुधवार को कुल 303 नई संपत्तियों को कर के दायरे में लाया गया। इनमें अजीमाबाद की 60, बांकीपुर की 29, कंकड़बाग की 61, नूतन राजधानी की 80, पाटलिपुत्र की 55 और पटना सिटी की 18 संपत्तियां शामिल हैं। कर विवरण की जांच के दौरान बुधवार को 64 संपत्तिधारकों ने खुद अपनी संपत्ति का कर पुनर्निर्धारण कराया।

'पापा ने बुलाया तो उनसे मिलने आ गई'

एजेंसी, पटना

लालू यादव की छोटी बेटी रोहिणी आचार्य 11 महीने बाद पटना पहुंची हैं। रोहिणी को रिसीव करने पटना एयरपोर्ट पर राजद सुप्रीमो लालू यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती भी पहुंचीं थीं। रोहिणी ने एयरपोर्ट पर पिता लालू के पैर छुए और मां के गले लगाया। इसके बाद परिवार के साथ रोहिणी कौटिल्य नगर स्थित आवास निकल गईं। रोहिणी आचार्य ने कहा, बहुत दिनों बाद पटना पहुंची हूं, इसे आपलोग राजनीतिक रंग मत दीजिए। उन्होंने कहा कि पापा ने बुलाया तो उनसे मिलने आ गई हूं। पार्टी के नेताओं से मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि देखिए कई भाई लोग मुझे रिसीव करने आए हैं। तेजस्वी यादव से नारागजी दूर होने के इस सवाल पर रोहिणी ने कुछ नहीं कहा।

रोहिणी नवंबर 2025 में हुए पारिवारिक विवाद के बाद पटना से चली गई थीं। उस समय उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजनीति छोड़ने और परिवार से नाता तोड़ने की बात कही थी। 15 नवंबर 2025 की रात रोहिणी आचार्य ने

राबड़ी आवास रोते हुए निकली थीं। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा था कि हमारा कोई परिवार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें परिवार से निकाल दिया गया है। रोहिणी ने कहा था कि पूरी दुनिया सवाल कर रही थी कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ, लेकिन जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार नहीं था। तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा था कि सवाल तेजस्वी यादव से पूछा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया था कि सवाल पूछने पर गाली दी जाती थी और चप्पल से मारने के लिए उठाई गई थी। इसके बाद रोहिणी ने सोशल मीडिया X पर पोस्ट कर राजनीति छोड़ने और परिवार से नाता तोड़ने का ऐलान किया था।

इंडिया ब्लॉक देशभर में आज से निकालेगी मार्च, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

एजेंसी, पटना

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत 19 विपक्षी पार्टियां कल से देशभर में मार्च निकालेंगी। भाकपा माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि गांधी जयंती से हम लगातार एक हफ्ते तक प्रदर्शन करेंगे और जुलूस निकालेंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि वह कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन देते हैं, जो कल से आंदोलन पर बैठेगी। दीपंकर ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जो भी लोग प्रदर्शन करेंगे उन्हें हमारा समर्थन है।

वोट चोरी के मुद्दे पर जनसुनवाई आयोजित की गईः दरअसल, गांधी जयंती के पूर्व दिवस पर आज IMA सभागार में वोट चोरी के मुद्दे पर जनसुनवाई आयोजित की गई है। जनसुनवाई में बिहार के कई विधानसभा क्षेत्र से ऐसे लोग शामिल होंगे, जिनका नाम बिहार विधानसभा चुनाव से पहले SIR में गलत तरीके से काट दिया गया है। भाकपा माले ने कई विधानसभा क्षेत्रों में डोर टू डोर जांच किया है,

जहां SIR में अवैध ढंग से काटे गए नाम की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। कार्यक्रम में इस जांच रिपोर्ट के बारे में बताया गया।

गांधी जयंती से एक सप्ताह तक प्रदर्शन होगा, जुलूस निकलेगाः दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि गांधी जयंती से एक सप्ताह जिले में जन-जन तक हम अपनी बात पहुंचाएंगे। इसमें प्रदर्शन होगा, जुलूस निकलेगा, हम जनसभाएं भी करेंगे। ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो, यह नारा पूरे देश में गूंजेगा। हमलोगों ने बिहार में एक छोटा सा सर्वे किया था करीब 10 विधानसभा

❐ **दीपंकर भट्टाचार्य बोले- कॉकरोच जनता पार्टी को हमारा समर्थन**

के 100 बूथों में गए थे और वहां पर हमें 40 ऐसे लोग मिल गए जिनका नाम वोटर लिस्ट में मुर्दा घोषित करके काटा गया है। देश में एक बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा हो रहा है और सभी वोटरों के वोटिंग राइट्स को वापस लाना होगा।

ज्ञानेश कुमार को जाना होगा, चुनाव संशोधन रद्द करना होगाः उन्होंने आगे कहा कि ज्ञानेश कुमार के अपराध को खुद चुनाव आयोग ने कुबूल कर लिया है। जिस तरह से बिहार में SIR 2025 में शुरू हुआ था, उससे आगे बढ़कर अब यह बंगाल होते हुए दिल्ली पहुंची है। पूरे देश को पता है कि वोट की चोरी हो रही है। कल इंडिया गठबंधन की हुई मीटिंग में यह साफ हो चुका है कि ज्ञानेश कुमार को जाना होगा। ज्ञानेश कुमार जिस रास्ते से मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, वह 2023 का चुनाव संशोधन है, जिसे रद्द करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की बाइक... डिक्की में शराब... फिर भी छोड़ दी; पहाड़पुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार निलंबित, देवेंद्र कुमार नियुक्त

बीएनएम@ मोतिहारी। चोरी की बाइक, डिक्की में शराब और मारपीट की शिकायत... इसके बावजूद न प्राथमिकी दर्ज हुई और न ही वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई। इतना ही नहीं, पुलिस के कब्जे में आई दोनों मोटरसाइकिलों को भी मुक्त कर दिया गया। पहाड़पुर थाने की पुलिसिंग में सामने आई इन गंभीर अनियमितताओं पर एसपी स्वर्ण प्रभात ने कड़ा एक्शन लेते हुए थानाध्यक्ष पु०अ०नि० मनीष कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पुलिस की जांच के अनुसार, 19 सितंबर की रात सरेया बरवा टोला निवासी विजय कुमार साह के साथ कारखाना टोला मंदिर के पास कुछ लोगों ने मारपीट की थी। शोर मचाने पर आरोपित दोनों मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर थाना चालक और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने दोनों बाइक पुलिस को सौंप दीं। थाना चालक ने एक बाइक की डिक्की खोली तो उसमें शराब मिली। मामला यहीं नहीं रुका। जांच में एक मोटरसाइकिल के चोरी की होने की बात सामने आई। मारपीट में घायल विजय कुमार साह ने जख्म जांच प्रतिवेदन के साथ प्राथमिकी के लिए लिखित आवेदन भी दिया। पुलिस जांच में पाया गया कि आवेदन मिलने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। दोनों बाइक को भी किसी वरीय पदाधिकारी को सूचना दिए बिना मुक्त कर दिया गया। जांच में थानाध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल सामने आए। घटना, शराब बरामदगी, चोरी की बाइक की बरामदगी और बाइक के मुक्तिकरण का स्टेशन डायरी में कोई सनहा दर्ज नहीं था। सैडो रजिस्टर में भी कोई टिप्पणी नहीं की गई थी। जांच के अनुसार, घटना के 11 दिन बाद तक प्राथमिकी या कोई कार्रवाई नहीं की गई और पूरे मामले की जानकारी किसी वरीय पदाधिकारी को भी नहीं दी गई। मामले की जांच पहाड़पुर के पर्यवेक्षी पदाधिकारी ने की। जांच प्रतिवेदन में थानाध्यक्ष का आचरण संदिग्ध पाए जाने के बाद उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन पुलिस कार्यालय के अनुसार निर्धारित समय तक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद एसपी ने मनीष कुमार के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट किया कि पुलिसिंग में लापरवाही, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और संदिग्ध आचरण किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को अपने कर्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया।

नए थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार–इधर, पहाड़पुर थाना की कमान देवेंद्र कुमार को सौंपी गई है। देवेंद्र कुमार इससे पहले पश्चिम चंपारण जिले के कुमारबाग और नवलपुर थानों में थानाध्यक्ष रह चुके हैं।

मोतिहारी शहर के बड़े कपड़ा व्यवसायी के यहाँ जीएसटी विभाग का छापा

व्यवसायी ने तत्काल किए 40 लाख रुपये जीएसटी जमा।

बीएनएम@ मोतिहारी। वाणिज्य-कर आयुक्त-सह-सचिव, बिहार, पटना के निर्देश पर मोतिहारी के पंचमंदिर चौक स्थित एम.एस.त्रिदेव वस्त्रालय में गुरुवार को जीएसटी विभाग की निरीक्षण की कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई जीएसटी विभाग, मोतिहारी एवं जीएसटी अन्वेषण ब्यूरो, मुजफ्फरपुर की संयुक्त टीम द्वारा की जा रही है। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान की लेखा-पुस्तों, खरीद-बिक्री अभिलेखों, जीएसटी रिटर्न, कर भुगतान विवरण, स्टॉक रजिस्टर, इनवॉयस तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके साथ ही उपलब्ध माल का भौतिक सत्यापन कर उसका खरीद अभिलेखों एवं लेखांकन में दर्ज स्टॉक से मिलान किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में प्रतिष्ठान में करोड़ों रुपये मूल्य का स्टॉक पाए जाने की जानकारी सामने आई है। उपलब्ध स्टॉक, खरीद-बिक्री अभिलेखों एवं जीएसटी रिटर्न में घोषित टर्नओवर एवं उस पर देय जीएसटी के भुगतान की स्थिति का भी परीक्षण किया जा रहा है। अब तक प्राप्त अभिलेखों एवं तथ्यों के आधार पर यह सामने आया है कि प्रतिष्ठान द्वारा वस्तुओं की खरीद के बाद सकल लाभ अथवा मूल्यवर्धन (वैल्यू एडिशन) जोड़कर उनकी बिक्री की जाती रही है। इस मूल्यवर्धन पर देय जीएसटी के नकद भुगतान से संबंधित विसंगतियां प्रकाश में आई हैं, जिनकी विस्तृत जांच की जा रही है। संतोष कुमार, राज्य-कर संयुक्त आयुक्त (प्रभारी), मोतिहारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के स्वामी द्वारा जीएसटी के रूप में तत्काल 40 लाख रुपये जमा किए गए हैं। शेष जांच पूरी होने के बाद जीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत सक्षम प्राधिकरण द्वारा देय कर, ब्याज एवं शास्ति का निर्धारण कर उसकी वसूली की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने करदाताओं से स्वैच्छिक एवं समयबद्ध कर अनुपालन सुनिश्चित करने तथा वास्तविक कारोबार का सही लेखांकन करते हुए देय कर का समय पर भुगतान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियमानुसार कर भुगतान से राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी तथा इससे बिहार के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों में योगदान मिलेगा।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने स्वच्छता के प्रति लोगों को किया जागरूक

बीएनएम@ मोतिहारी

'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की ओर से गुरुवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान गतिविधि के अंतर्गत वाहिनी मुख्यालय, सभी समवायों तथा उनके कार्यक्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों, सरकारी संस्थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर वाहिनी मुख्यालय, समवाय परिसरों तथा आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की। इसके साथ ही कार्यक्षेत्र के विद्यालयों, सरकारी संस्थानों एवं गांवों में भी स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के माध्यम से आमजन को कूड़े-कचरे के उचित निस्तारण, स्वच्छ वातावरण के निर्माण तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बताया गया कि स्वच्छता किसी एक व्यक्ति, संस्था अथवा विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वाहिनी की ओर से अधिकारियों एवं जवानों से स्वच्छता अभियान को केवल एक निर्धारित अवधि तक सीमित न रखकर इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक कर इस अभियान में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर कहा गया कि 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' जैसी श्रमदान गतिविधियां सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। 'स्वच्छता ही सेवा' का संदेश तभी सार्थक होगा, जब स्वच्छता के प्रति जागरूकता समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और हर व्यक्ति इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाए। इस व्यापक स्वच्छता अभियान के माध्यम से 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी ने स्वच्छता, जनभागीदारी एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया।

शिक्षकों ने भरी हुंकार, रामेन्द्र राय के समर्थन में दिखी एकजुटता

बीएनएम@ मोतिहारी

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र-03 के प्रत्याशी एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री रामेन्द्र राय के सम्मान में बुधवार को शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे (एलएनडी) कॉलेज सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, उच्च विद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के बड़ी संख्या में शिक्षक एवं प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपनी समस्याओं, अधिकारों और सेवा संबंधी मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। समारोह में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह महिला कॉलेज, मुंशी सिंह कॉलेज, एसएनएस कॉलेज, भुवन मालती बीएड कॉलेज, घोड़ासहन डिग्री कॉलेज समेत विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों की सहभागिता रही। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के भी कई शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान विद्वान शिक्षकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने शिक्षक हितों, अधिकारों, सम्मान, सेवा-संबंधी समस्याओं तथा शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार की जरूरत पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने और उनके निराकरण के लिए प्रभावी पैरवी की आवश्यकता पर बल दिया। उपस्थित शिक्षकों ने रामेन्द्र राय के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए शिक्षक हितों के लिए सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रत्याशी रामेन्द्र राय ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान, अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने शिक्षक समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतरने तथा शिक्षकों से जुड़े मुद्दों को संबंधित मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने शिक्षक हितों की रक्षा के लिए एकजुटता और सामूहिक प्रयास को आवश्यक बताया। शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता और विचारों की अभिव्यक्ति के बीच समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

छापेमारी में नकदी और जेवर ले जाने का आरोप, थाना प्रभारी ने बताया निराधार; जांच से सामने आएगा सच

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। संग्रामपुर थाना क्षेत्र के कोइरगाँवा गांव में रामनाथ मुखिया कारोबारी के घर छापेमारी को लेकर पुलिस और परिवार के दावों में विरोधाभास सामने आया है। रामनाथ मुखिया ने एसपी स्वर्ण प्रभात को आवेदन देकर पुलिस टीम पर घर से 1.50 लाख रुपये नकद और करीब 5.61 लाख रुपये के जेवर ले जाने का आरोप लगाया है। परिवार का दावा है कि घटना से संबंधित ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग उनके पास है, जिससे लगाए गए आरोपों की जांच में मदद मिल सकती है। संग्रामपुर थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि जिस घर में छापेमारी की गई, वहां रहने वाले लोग शराब के कुख्यात कारोबारी हैं और उनके खिलाफ डेढ़-दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। जिस मामले में पुलिस रेड करने गई थी, उसमें संबंधित व्यक्ति ने उच्च न्यायालय से जमानत ले रखी थी, जिसकी जानकारी पुलिस को नहीं थी। थानाध्यक्ष के अनुसार, भविष्य में पुलिस की छापेमारी रोकने के उद्देश्य से झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान बक्से में रुपये दिखाई दिए थे, लेकिन पुलिस का उन्हें लेने से कोई मतलब नहीं था। पुलिस शराब और संबंधित व्यक्ति की तलाश में गई थी। वहीं, परिवार का आरोप है कि तलाशी के दौरान पुलिसकर्मी नकदी और जेवर अपने साथ ले गए और उन्हें किसी जब्ती सूची में भी दर्ज नहीं किया गया। पुलिस वालों के साथ चौकीदार के पुत्र भी घर में घुसा था। परिवार ने गहने खरीदारी की रसीद भी आवेदन के साथ देने की बात कही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव में कई लोगों के खिलाफ शराब कारोबार से जुड़े मामले दर्ज हैं। इसका मतलब यह नहीं की घर मे रखे गहने और नगद राशि भी पुलिस ले लेगी। अब परिवार के आरोप और पुलिस के खंडन के बीच ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, जब्ती सूची और अन्य साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच से ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सारण शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की समीक्षा, समयबद्ध कार्य पूरा करने का निर्देश

» आदर्श आचार संहिता के सख्त अनुपालन के साथ भयमुक्त, स्वच्छ एवं निष्पक्ष निर्वाचन संपन्न कराने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिला पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सभी गठित कोषांगों के नोडल एवं वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उक्त बैठक में निर्वाचन से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया गया। बैठक में कार्मिक कोषांग के नोडल पदाधिकारी को मतदान कर्मियों एवं सूक्ष्म प्रेक्षकों का अद्यतन आंकड़ा तैयार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही मतदान कर्मियों को समय पर समुचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा गया। चूंकि इस निर्वाचन में मतपेटिका एवं मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया जाएगा, इसलिए सामग्री एवं मतपेटिका कोषांग के नोडल पदाधिकारी को मतपेटिकाओं, मतपत्रों एवं अन्य आवश्यक मतदान सामग्रियों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व में ही पूरी करने पर विशेष जोर दिया गया। आदर्श आचार संहिता एवं विधि-व्यवस्था कोषांग के नोडल पदाधिकारियों को आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही भयमुक्त, स्वच्छ एवं निष्पक्ष निर्वाचन के उद्देश्य से आवश्यक जोनल एवं सुपर जोनल दंडाधिकारियों सहित अन्य दंडाधिकारियों तथा पुलिस बल की आवश्यकता का आकलन कर उनकी समय पर प्रतिनियुक्ति एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था करने को कहा गया। बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय स्तर पर एकल खिड़की व्यवस्था संचालित करने का निर्देश दिया गया, ताकि अभ्यर्थियों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं को चुनाव प्रचार से संबंधित आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके माध्यम से अनुमति प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने पर बल दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को पूरी तत्परता, समन्वय एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया।

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं विधिक सहायता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के तत्वावधान में समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बुनियाद केंद्र, मोतिहारी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, गरिमापूर्ण जीवन, भरण-पोषण, सुरक्षा एवं निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा (ADSS) अक्षय कुमार, पैनल अधिवक्ता नवीन सिंह तथा पैरा लीगल वालंटियर धर्मेंद्र साहनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं) योजना, 2016 के प्रावधानों से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें अपने कानूनी अधिकारों, भरण-पोषण एवं कल्याण से संबंधित कानूनों तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, शोषण या कानूनी समस्या की स्थिति में उपलब्ध विधिक सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, गरिमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना परिवार, समाज और प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक अथवा सामाजिक कठिनाइयों के कारण कोई भी वरिष्ठ नागरिक न्याय से वंचित न रहे, इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या उत्पन्न होने पर वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार, विधिक सहायता केंद्र अथवा पैरा लीगल वालंटियर के माध्यम से आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा उनके भरण-पोषण और कल्याण से जुड़े कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। इस दौरान उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को गंभीरता से सुना गया और उन्हें आवश्यक विधिक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनकी गरिमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही न्याय तक उनकी सहज और सुलभ पहुंच को बढ़ावा देना था।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का गांधी मैदान में खेल महोत्सव का भव्य आगाज, जिलेभर के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से किया प्रतियोगिता का उद्घाटन, चार दिनों तक विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे खिलाड़ी।

बीएनएम@ मोतिहारी

गांधी मैदान में गुरुवार को खेल, उत्साह और उमंग का अनूठा संगम देखने को मिला। खेल विभाग, बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के वार्षिक खेल कार्यक्रम 2026-27 के तहत जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण की ओर से आयोजित जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। एक से चार अक्टूबर तक चलने वाली इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में जिलेभर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। गांधी मैदान, खेल भवन एवं नेहरू स्टेडियम सहित विभिन्न खेल स्थलों पर आयोजित इस खेल महोत्सव को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी एवं जिला पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह में नगर आयुक्त, जिला विकास पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ), जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार समेत शिक्षा, खेल एवं प्रशासनिक विभाग के कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर से ही बच्चों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और उसे बेहतर मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलना चाहिए। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरी निष्ठा, मेहनत और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का नाम राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने का आह्वान किया। इस दौरान जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं जिला पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लेने पहुंचे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साह बढ़ाते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन समारोह का आगाज डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ। इसके बाद खिलाड़ियों एवं खेल अधिकारियों ने अनुशासन, खेल भावना और निष्पक्षता के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ ली। खेल परंपरा का निर्वहन करते हुए अतिथियों ने खेल मशाल प्रज्ज्वलित की। इसके साथ ही मशाल दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें एक खिलाड़ी ने प्रज्ज्वलित मशाल लेकर पूरे मैदान का चक्कर लगाया। मशाल दौड़ के साथ ही प्रतियोगिता के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की गई। इस दौरान पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट और खिलाड़ियों के उत्साह से गूंज उठा। इस वर्ष जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता को व्यापक स्तर पर खेल महोत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिले के विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं अलग-अलग आयु वर्ग और खेल स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स, बैडमिंटन, क्रिकेट, खो-खो सहित विभिन्न खेलों की स्पर्धाएं शुरू हुईं। वहीं, खेल भवन में इंडोर गेम्स की प्रतियोगिताएं भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की गईं। प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए विभिन्न खेल स्थलों पर खेल अधिकारियों, तकनीकी पदाधिकारियों, निर्णायकों, प्रशिक्षकों एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की तैनाती की गई है। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव अरविंद कुमार समेत विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने जिले के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के साथ खेल शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों की मौजूदगी ने माहौल को पूरी तरह खेलमय बना दिया। जिला प्रशासन एवं खेल विभाग की ओर से खिलाड़ियों की सुविधा, सुरक्षा, अनुशासन, तकनीकी व्यवस्था और निष्पक्ष प्रतियोगिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस खेल महोत्सव में जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यालय स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और उन्हें उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दिशा में भी पहल की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर वरिष्ठ अधिवक्ता ने रखे विचार

बीएनएम@ मोतिहारी। अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर भारत उत्थान संघ एवं खाना चाहिए फाउंडेशन के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश कुमार सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का संदेश आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि अहिंसा केवल हिंसा से दूर रहने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में शांति, सद्भाव और आपसी सम्मान कायम करने का महत्वपूर्ण मार्ग है। वर्तमान समय में समाज को आपसी मतभेदों का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से करने की आवश्यकता है। अहिंसा के माध्यम से ही समाज में स्थायी शांति और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। राकेश कुमार सिंह ने युवाओं से महात्मा गांधी के विचारों एवं जीवन आदर्शों से प्रेरणा लेकर सत्य, शांति और मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर सभी लोगों से समाज में प्रेम, सद्भाव और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत-बचाव कार्य जारी

बीएनएम@ मेराज आलम, बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले में बाढ़ और जलजमाव प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जिला आपदा प्रबंधन शाखा की प्रभारी पदाधिकारी नगमा तबस्सुम के अनुसार जिले में 64 सामुदायिक किचेन संचालित हैं, जहां अब तक 91,997 लोगों ने भोजन किया है। जरूरतमंद परिवारों के बीच 12,505 सूखा राशन पैकेट और 2,910 पॉलीथिन शीट्स वितरित की गई हैं। राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की पांच टीमें तैनात हैं। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने अधिकारियों और कर्मियों को प्रभावित क्षेत्रों का लगातार भ्रमण कर आपसी समन्वय के साथ राहत कार्य चलाने तथा जरूरतमंदों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया है।

303 मत प्राप्त कर पैक्स अध्यक्ष पद पर दर्ज की जीत

बीएनएम@ बगहा। बगहा-2 प्रखंड के यमुनापुर टड़वलिया पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव में परमहंस प्रसाद केवट ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की। उन्होंने 303 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा और फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। परमहंस प्रसाद केवट ने कहा कि यह जीत किसानों के विश्वास की जीत है और आगे भी किसानों की सुविधाओं व समस्याओं को प्राथमिकता देना उनका उद्देश्य रहेगा। उन्होंने पैक्स की गतिविधियों को बेहतर बनाने और किसानों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। मौके पर जनार्दन प्रसाद केवट, मुकेश भारती, गोविंद शर्मा, सिकंदर अंसारी, राजेश कुमार निषाद, सुरेश साहनी, अखिलेश ठाकुर, कूदन कुशवाहा सहित अन्य समर्थक मौजूद रहे।

सेविका-सहायिका को किया गया सम्मानित

बीएनएम@ बगहा। सेवा संकल्प अभियान के तहत बगहा नगर परिषद के नरईपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-309 पर 'आंगनबाड़ी पर आंगन का मिलन' कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि बगहा विधायक राम सिंह ने बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया और उनके स्वस्थ एवं सुपोषित जीवन की कामना की। कार्यक्रम में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा पर चर्चा की गई। विधायक ने आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका के योगदान की सराहना करते हुए बच्चों की देखभाल और पोषण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। इस दौरान सेविका-सहायिका को सम्मानित भी किया गया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अचिंत कुमार लल्ला, नगर मंडल अध्यक्ष राजन गुप्ता, सुबोध चौहान, रोशन कुमार सहित लाभार्थी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित वार्डों की एसडीएम ने ली जानकारी

बीएनएम@ बगहा। एसडीएम चांदनी कुमारी ने बगहा-1 प्रखंड सभागार में वार्ड पार्षदों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित वार्डों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित परिवारों, क्षति और राहत की जरूरतों की समीक्षा की। पार्षदों ने भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की समस्या से अवगत कराया। एसडीएम ने वार्डवार सही आंकड़ा तैयार कर जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर राहत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में बीडीओ प्रदीप कुमार, सीओ रवि भूषण गौरव, नगर परिषद के ईओ सरोज कुमार बैठा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

16 हजार रुपये रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

बीएनएम@ अरवल

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने गुरुवार को अरवल अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी-सह-प्रभारी अंचल निरीक्षक शिवमंगल प्रसाद को 16 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई ओझा बिगहा मोड़ के पास की गई। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, उमैराबाद निवासी रवीन्द्र प्रसाद ने अपने पुश्तैनी जमीन की नापी के लिए अरवल अंचल कार्यालय में ऑनलाइन आवेदन किया था। आरोप है कि आवेदन पर कार्रवाई करने और जमीन की नापी कराने के एवज में राजस्व कर्मचारी शिवमंगल प्रसाद द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद ब्यूरो ने उसका सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि होने पर निगरानी थाना कांड संख्या 115/26, दिनांक 30 सितंबर 2026 दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक मो. वसीम फिरोज के नेतृत्व में धावादल का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए शिवमंगल प्रसाद को 16 हजार रुपये रिश्वत लेते ओझा बिगहा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को निगरानी के विशेष न्यायालय, पटना में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2026 में भ्रष्टाचार के विरुद्ध यह 115वीं प्राथमिकी है, जबकि रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तारी से संबंधित यह 105वां ट्रैप कांड है। इन मामलों में अब तक 105 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ब्यूरो के अनुसार ट्रैप मामलों में अब तक कुल 37 लाख 63 हजार 800 रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई है। इसके अलावा 37 हजार रुपये कीमत की एक नई वाशिंग मशीन भी बरामद की गई है।

भूमि विवाद निपटारे को लेकर समीक्षा बैठक, चार मामलों की सुनवाई, एक का निष्पादन

बीएनएम@ शिवहर

जिले में भूमि विवाद के मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शिवहर की संयुक्त अध्यक्षता में सभी अंचल अधिकारियों और थानाध्यक्षों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में पुरनहिया, तरियानी एवं डुमरी कटसरी के अंचल अधिकारियों द्वारा अग्रसारित कुल चार भूमि विवाद के मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें एक मामले का निष्पादन किया गया।बैठक के दौरान सभी अंचल अधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को लंबित मामलों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने तथा भू-समाधान पोर्टल पर समय से डाटा अपलोड करने का निर्देश दिया गया। वहीं, एसडीपीओ ने सभी थानाध्यक्षों को चौकीदारों के साथ नियमित बैठक करने, अपने-अपने क्षेत्र में भूमि विवाद से संबंधित मामलों की जानकारी प्राप्त करने तथा विवादों का समय पर समाधान कराने का निर्देश दिया।

पताही सीएचसी में 14 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण ऑपरेशन

बीएनएम@ पताही

राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देश पर पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बंध्याकरण अभियान के तहत 14 महिलाओं का सफलतापूर्वक बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। अब अस्पताल में बंध्याकरण की सुविधा एनजीओ के माध्यम से नहीं, बल्कि सरकारी स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही है। बंध्याकरण ऑपरेशन चकिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी -सह- सर्जन डॉ. चंदन कुमार के द्वारा किया गया। वहीं एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी पताही सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुधांशु रंजन ने संभाली। ऑपरेशन के दौरान अस्पताल प्रबंधन एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इस दौरान बीएचएम राजकुमार, काउंसलर -सह- प्रभारी बीसीएम सतीश कुमार मिश्रा, जीएनएम रुक्मिणी कुमारी एवं ज्योति कुमारी, एएनएम प्रेम प्रभा खालको एवं सुनीता कुमारी तथा ओटी असिस्टेंट विवेक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के अनुसार पताही सीएचसी में अब सप्ताह में दो दिन मंगलवार एवं गुरुवार को बंध्याकरण ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे क्षेत्र की महिलाओं को परिवार नियोजन की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगी।

बथना राहत शिविर में बाढ़ पीड़ितों का आक्रोश, नारेबाजी

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड स्थित बथना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे के दौरान राहत शिविर में कुछ बाढ़ पीड़ितों ने राहत व्यवस्था को लेकर आक्रोश जताया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद पीएम श्री राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, बथना में संचालित राहत शिविर का निरीक्षण किया और प्रभावित लोगों से उनकी समस्याएं सुनीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने स्थानीय सांसद और विधायक के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और राहत व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई और मुख्यमंत्री कुछ देर बाद वहां से रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के जाने के बाद भी लोगों का विरोध जारी रहा। सांसद डॉ. संजय जायसवाल और नरकटियागंज विधायक को सुरक्षा कारणों से कुछ समय तक स्कूल परिसर में रुकना पड़ा। पुलिस ने सांसद को सुरक्षा घेरे में उनके वाहन तक पहुंचाने का प्रयास किया। इसी दौरान कुछ आक्रोशित लोगों द्वारा सांसद की गाड़ी पर गोबर फेंकने और वाहन पर हाथ मारने की बात सामने आई। पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच सांसद को वहां से बाहर निकाला। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान राहत शिविर में सामुदायिक रसोई, चिकित्सा शिविर, पेयजल, शौचालय और पशु राहत व्यवस्था का जायजा लिया तथा अधिकारियों को प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने और सामुदायिक रसोई जरूरत के अनुसार जारी रखने का निर्देश दिया। राहत शिविर में हुए विरोध के दौरान बाढ़ पीड़ितों ने अपनी समस्याओं और राहत व्यवस्था को लेकर नाराजगी जाहिर की। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में प्रशासन और पुलिस की ओर से सामने आने वाली विस्तृत जानकारी के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट होगी।

स्वच्छता ही सेवा के तहत हेल्थ कैंप और साइकिल रैली

बीएनएम@ बगहा

बगहा। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत नगर परिषद बगहा द्वारा गुरुवार को हेल्थ कैंप, साइकिल रैली और स्वच्छता दौड़ का आयोजन किया गया। 10+2 राजकीय कृत डीएम एकेडमी से साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें युवाओं और स्वच्छता साथियों ने लोगों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया। स्वच्छता दौड़ में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। नगर परिषद परिसर में सफाई कर्मियों और आम नागरिकों के लिए निःशुल्क हेल्थ कैंप लगाया गया, जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच कर दवाइयां दीं। मौके पर ईओ सरोज कुमार बैठा, स्वच्छता पदाधिकारी अब्दुल बाकी सहित नगर परिषद के अधिकारी, कर्मचारी और स्वच्छता साथी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता स्वस्थ जीवन का आधार है और सभी को अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए।

बगहा-2 में छह पैक्स अध्यक्ष निर्वाचित, एक निर्विरोध

बीएनएम@ बगहा

प्रखंड बगहा-2 में पैक्स अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव की मतगणना के बाद परिणाम घोषित कर दिए गए। प्रखंड कार्यालय परिसर में हुई मतगणना के दौरान विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थकों की भीड़ जुटी रही। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ब्लॉक परिसर के चारों ओर पुलिस बल तैनात रहा और लगातार गश्त की जाती रही। प्रखंड विकास पदाधिकारी बिड्डू कुमार राम ने बताया कि मतदान के बाद मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई और सभी संबंधित पंचायतों के परिणाम घोषित कर दिए गए। घोषित परिणाम के अनुसार ढोलबजवा लक्ष्मीपुर पंचायत से इन्द्रासन शर्मा ने 285 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि राजकुमार साह को 164 और संजय शर्मा को 26 मत मिले। जिमरी नौतनवा पंचायत से सिन्धु देवी 278 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुईं। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रदीप कुमार को 209 मत मिले। सेमरा कटकुईया पंचायत से राकेश कुमार ने 304 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। संदीप कुमार को 223, प्रेमाकर गुप्ता को 52 और रामअयोध्या साह को 49 मत मिले। बकुली पंचगांवा पंचायत से सुभाष साह ने 479 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि आमजद अंसारी को 427 मत मिले। नयागांव रामपुर पंचायत से मुकेश प्रसाद को 313 मत मिले, जबकि मुन्ना दीन को 14 मत प्राप्त हुए। यमुनापुर टड़वलिया पंचायत से परमहंस प्रसाद ने 303 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। संतोष कुमार को 229, राजू प्रसाद गुप्ता को 178 और सुनील प्रसाद को 90 मत मिले। वहीं नरवल-बरवल पंचायत में शारदा गिरी को पैक्स अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी का माहौल रहा। समर्थकों ने निर्वाचित पैक्स अध्यक्षों को अबीर-गुलाल लगाकर और फूल-माला पहनाकर खुशी जताई। परिणाम घोषित होने के साथ ही संबंधित पंचायतों में पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई।

जिला विज्ञान प्रदर्शनी में मयंक ने लहराया परचम

बीएनएम@ बगहा

राज इंटर कॉलेज, बेतिया में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में पी.एम.श्री डी.एम. एकेडमी के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। नवम वर्ग के छात्र मयंक कुमार ने अपने विज्ञान मॉडल के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि विद्यालय के एक अन्य मॉडल ने द्वितीय स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल ने मॉडल की उपयोगिता और वैज्ञानिक सोच की सराहना की। मयंक की सफलता पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। प्रधानाध्यापक राकेश कुमार यादव ने छात्र को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षकों ने मयंक को मेडल, कलम, अंगवस्त्र और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विज्ञान शिक्षिका विंध्यवासिनी दूबे ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और प्रयोगात्मक क्षमता विकसित करने में सहायक हैं।

बाढ़ पीड़ितों ने अंचल कार्यालय पर किया प्रदर्शन

बीएनएम@ नौतन

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने गुरुवार को अंचल कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर समस्याओं के समाधान और तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की। बाढ़ पीड़ितों ने सरकार से प्रत्येक प्रभावित परिवार को दस हजार रुपये सहायता राशि, एक क्विंटल अनाज, समय पर भोजन, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य टीम की तैनाती की मांग की। ग्रामीणों ने बाढ़ का पानी उतरते ही चम्पारण तटबंध की मरम्मत कराने की भी मांग उठाई। बनकटा चमर टोली से पहुंचे बाढ़ पीड़ितों ने आरोप लगाया कि उन्हें अब तक रहने के लिए प्लास्टिक, भोजन और शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं पंचायत के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भोजन, शुद्ध पेयजल और रहने की समुचित व्यवस्था की गई है तथा प्रशासन की ओर से राहत कार्यों की निगरानी की जा रही है। प्रदर्शन कर रहे बाढ़ पीड़ितों को अंचलाधिकारी अल्का कुमारी, बीडीओ गिरधारी लाल, थानाध्यक्ष राजीव कुमार एवं चिकित्सा पदाधिकारी अमरीश सिंह ने आश्वासन दिया कि प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक राहत एवं बचाव की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से धैर्य बनाए रखने की अपील की।

एसएसबी जवानों ने चलाया स्वच्छता अभियान

बीएनएम@ बगहा

21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बगहा परिसर में कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के नेतृत्व में 1 अक्टूबर 2026 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आयोजित अभियान में वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय विशिष्ट अतिथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जवान बैरक के आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने स्वयं अधिकारियों, जवानों एवं अतिथियों के साथ श्रमदान किया। इस दौरान परिसर में बायोडिग्रेडेबल और नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे को अलग-अलग एकत्र किया गया। कार्यक्रम के दौरान कमांडेंट ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि हमारी दिनचर्या और जिम्मेदारी है। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि एसएसबी देश की सुरक्षा के साथ सामाजिक दायित्वों के प्रति भी सजग है और इस प्रकार के अभियानों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। उन्होंने सभी जवानों से अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने तथा स्थानीय लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की।

एआई से मानव का सर्वनाश

एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कह कर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है कि अगले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है। अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों से हाल में हुए इस्तीफों ने मानव समुदाय के सामने मौजूद एक गहरे संकट पर रोशनी डाली है। एआई की दो बड़ी कंपनियों- ओपन एआई और एंथ्रोपिक में काम करने के बाद 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि ये कंपनियां एआई मॉडल्स को उस अवस्था में पहुंचाने पर आमादा हैं, जब वो मानव नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस की ओर यह दौड़ किसी एक कंपनी की घटना नहीं, बल्कि पूरे एआई उद्योग की नैतिक विफलता का प्रतीक बन गया है। कॉक्सन के बयान के बाद एआई उद्योग में काम कर चुके कई अन्य विशेषज्ञ भी सामने आए। उन्होंने बताया कि ऐसी ही चिंताओं के कारण उन्होंने भी नौकरी छोड़ी। एंथ्रोपिक के वर्तमान कर्मचारी इवान हुबिंगर ने यह कहकर सनसनी फैला दी है कि उन्हें यह संभावना 10 प्रतिशत से अधिक लगती है कि अगले दशक में एआई से मानव का सर्वनाश हो सकता है। इन बयानों से सवाल उठा है कि जब एआई विकसित करने में जुटे विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका उत्पाद मानवता के लिए घातक हो सकता है, तो कंपनियां इसे क्यों विकसित कर रही हैं? एंथ्रोपिक के शोधकर्ता सैमुअल मार्क्स ने कहा है कि इसके पीछे कारण अरबों डॉलर के निवेश से पैदा दबाव और यह भय है कि कहीं कोई दूसरी कंपनी आगे ना निकल जाए। यह अच्छी बात है कि इस चर्चा से अमेरिकी राजनेताओं का एक हिस्सा चिंतित हुआ है। एआई के संचालन को विनियमित करने के लिए विधेयक लाने का इरादा उन्होंने जताया है। हालांकि डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते ऐसे किसी प्रयास का सफल होना आसान नहीं है, फिर भी उभरी सार्वजनिक चिंता आशाजनक संकेत है। इस सिलसिले में चीन में हुई पहल पर भी गौर करना चाहिए, जहां बीते जुलाई में वर्ल्ड एआई सम्मेलन के दौरान एआई के वैश्विक संचालन संबंधी कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अब ऐसी तमाम कोशिशों के बीच तालमेल बनाना जरूरी हो गया है। तभी नई तकनीक को मानव विवेक के अधीन रखने की कारगर व्यवस्था अस्तित्व में आ सकेगी।

जल के लिए सहयोगः सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान

सी. आर. पाटिल

जल हमें उन तरीकों से जोड़ता है, जिनमें बहुत कम अन्य संसाधन जोड़ पाते हैं। नदियाँ प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भूजल के स्रोत कई समुदायों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आज होने वाली बारिश कल पीने के पानी, सिंचाई, भूजल या नदी के प्रवाह का आधार बनती है। इससे एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता हैः जल एक साझा संसाधन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ भारत 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में वैश्विक जल समुदाय का स्वागत करेगा। इसका आयोजन जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है। इस वर्ष की थीम है-जलवायु के प्रति लचीला जल प्रबंधन। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे समय में यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है।

भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह केवल एकसम्मेलन नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहाँ सरकारें, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, समुदाय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार अपने अनुभव, तकनीक और विचार साझा कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए साझेदारियाँ बना सकते हैं।

इसका उद्देश्य जल क्षेत्र से जुड़े हालिया विभागीय शिखर सम्मेलन की भावना और उससे मिली सीख को भी आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन का विचार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रखा था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने एक साथ आकर जल क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की, अपने अनुभव साझा किए और आगे की राह तय करने पर विचार-विमर्श किया।

भारत इस संवाद में बड़े स्तर पर जल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को लागू करने का व्यापक अनुभव लेकर आया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण भारत में 15.9 करोड़ से अधिक घरों तक नल से पानी पहुँचाया गया है। वर्ष 2019 में ऐसे घरों की संख्या 3.23 करोड़ थी। जल जीवन मिशन 2.0 का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति के बुनियादी ढाँचे को भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा व्यवस्था में बदलना है। इसके तहत ग्राम पंचायतों और उनकी ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति सेवाओं के संचालन, रखरखाव और निगरानी के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इन्हें स्थानीय स्तर पर छोटी जल सेवा इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'जल सेवा आकलनÓ ग्राम पंचायत के नेतृत्व में की जाने वाली एक डिजिटल पहल है। इसके तहत हर घर जल वाले गाँवों में पीने के पानी की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आकलन किया जाता है। यह पहल बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर लगातार बेहतर जल सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों और गाँव की संस्थाओं को आकलन की प्रक्रिया के केंद्र में रखा गया है। नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीवेज से जुड़े बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है। इस मिशन के दूसरे चरण में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत घरों और सामुदायिक स्तर पर इस्तेमाल के बाद निकलने वाले पानी यानी ग्रे-वॉटर के प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इन सभी योजनाओं में एक बात समान है- 'जनभागीदारीÓ। इसके पीछे यह विश्वास है कि सरकारी नीतियाँ तब सबसे अधिक प्रभावी होती हैं, जब लोग केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहकर उनके सक्रिय भागीदार बनते हैं। जल संरक्षण के हमारे प्रयासों में भी यही दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। 'जल संचय जनभागीदारीÓ और 'कैच द रेनÓ (वर्षा जल संचयन) जैसे अभियानों के माध्यम से हमारा उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखकर लोगों की आदत और जनआंदोलन बनाना है। जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन तभी सफल हो सकता है, जब स्थानीय लोग इसे समझें, इसे अपनी जिम्मेदारी मानें और इसे लंबे समय तक बनाए रखें। हाल ही में हमने 'कैच द रेनÓ अभियान का गीत भी जारी किया है। भारत के अनुभव से यह भी सीख मिलती है कि जल संबंधी चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं हो सकता। हिमालयी राज्य की जरूरतें किसी सूखे क्षेत्र से अलग होती हैं। इसी तरह, तेजी से बढ़ते शहर की चुनौतियाँ ग्रामीण समुदाय की चुनौतियों से अलग होती हैं। हमारे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विविध परिस्थितियों के कारण जल प्रबंधन का व्यापक अनुभव उपलब्ध है। इसमें भूजल का स्तर बढ़ाना, सिंचाई में पानी का बेहतर इस्तेमाल, पेयजल व्यवस्था का सामुदायिक प्रबंधन और इस्तेमाल किए जा चुके पानी का दोबारा उपयोग जैसे विषय शामिल हैं।

जब इन अनुभवों को साझा किया जाता है, तो स्थानीय स्तर पर सफल रहे समाधान उन क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं, जहाँ उनकी शुरुआत नहीं हुई थी। यही सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होता है। जल सुरक्षा के सभी सवालों के जवाब किसी एक देश के पास नहीं हैं। हर देश के पास कुछ ऐसा अनुभव है, जिससे दूसरे देश सीख सकते हैं, और हर देश दूसरों से कुछ सीख सकता है। इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्देश्य किसी पर समाधान थोपना नहीं, बल्कि साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें जल प्रबंधन, तकनीक, वित्तपोषण और जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने के वैश्विक अनुभवों के साथ भारत के अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी। जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास से है। इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जा चुके पानी के पुनः उपयोग, पानी के कुशल इस्तेमाल, मौसम एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी। तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर आँकड़ों, वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकेंगे कि पानी की उपलब्धता में किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित खतरों का पहले से अनुमान लगा सकेंगे और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

जल जीवन मिशन में किए जा रहे संस्थागत सुधारों के तहत 'सुजलम भारतÓ डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आँकड़ों और तकनीक की मदद से बेहतर योजना बनाना, जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, कामकाज की निगरानी करना और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर भरोसेमंद जल सेवाएँ सुनिश्चित करने का यह बदलाव भारत की ऐसी जल व्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो चुनौतियों का सामना कर सके, जवाबदेह हो और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो। चुनौतियों के बढ़ते स्तर के साथ जल क्षेत्र में वित्तपोषण के तरीकों को भी बदलना होगा। सरकारी निवेश की भूमिका बुनियादी बनी रहेगी। लेकिन जलवायु के अनुकूल जल ढाँचे के निर्माण के लिए नए वित्तीय तरीकों, जिम्मेदार निजी भागीदारी और ऐसी साझेदारियों की भी जरूरत होगी, जो सार्वजनिक हित को केंद्र में रखते हुए संसाधन जुटा सकें। इसी के साथ, स्वस्थ नदियाँ, आर्द्रभूमियाँ, भूजल स्रोत और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र भी हमारे जल संबंधी बुनियादी ढाँचे का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप अधिक अनिश्चित हो रहा है। कहीं बहुत तेज बारिश हो रही है, कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ रहा है, तो कहीं बाढ़ और भूजल पर दबाव जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, बेहतर वैज्ञानिक जानकारी और पूर्वानुमान, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाला बुनियादी ढाँचा, मजबूत संस्थाएँ और जागरूक समुदाय जरूरी हैं। यही भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का व्यापक उद्देश्य है। इसके माध्यम से नेतृत्व, विज्ञान, योजनाओं का क्रियान्वयन, तकनीक, वित्त और जनभागीदारी को एक साझा मंच पर लाया जाएगा। 22 से 26 सितंबर तक भारत मंडपम भारत के जल क्षेत्र के अनुभवों और दुनिया भर के जल संबंधी ज्ञान का केंद्र बनेगा। हम बड़े स्तर पर योजनाओं को लागू करने से मिले अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दूसरों के अनुभवों को सुनने और उनसे सीखने के लिए भी उतने ही तत्पर हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र अधिक अनिश्चित हो सकता है, लेकिन हमारा जवाब अनिश्चित नहीं होना चाहिए। हमारा प्रयास सामूहिक, वैज्ञानिक, समावेशी और निरंतर होना चाहिए। जल के भविष्य को केवल सरकारें सुरक्षित नहीं कर सकतीं।

बस्तर के जनजातीय बच्चे देश को दिखा रहे नई राह

धनंजय राठौर

-दंतेवाड़ा की जावंगा एजुकेशन सिटी से नीटक्रैक, आईआईटी-एनआईटी में दाखिला और एसएंडपी ग्लोबल जैसी वैश्विक कंपनियों में नौकरी कर रहे जनजातीय बच्चे

दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में जावंगा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी आज जनजातीय बच्चों के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और आत्मविश्वास का बड़ा केंद्र बन चुकी है। इस एजुकेशन सिटी ने हिंसा और गरीबी से जूझते जनजातीय बच्चों की किस्मत ही बदल दी। कभी दूरस्थ गांवों के बच्चों के सामने सुरक्षित शिक्षा और आगे बढने के अवसर की बड़ी चुनौती थी। आज यहां की बेटियां नीट पास कर डॉक्टर बनने की राह पर हैं, युवा एसएंडपी ग्लोबल जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं और खिलाड़ी मैदान परअपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। यह उन बच्चों की कहानी है, जिन्होंने हर चुनौती को मात देकर खुद को साबित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के जावंगा (एजुकेशन सिटी) में 9 मई 2015 को आए थे, जहाँ उन्होंने एजुकेशन सिटी का निरीक्षण किया था और छात्रों से बातचीत की थी।

150 एकड़ में फैला सपनों का शहरः अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है।यहां स्कूल शिक्षा, आवासीय शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न संस्थान संचालित हैं। यह एजुकेशन सिटीशैक्षिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, यहएक पूरी दुनिया है। करीब 150 एकड़ में फैले इस परिसर में 43 शैक्षणिक और आवासीय संस्थाएं चल रही हैं। यहां 7,436 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिनमें 4,692 बालिकाएं शामिल हैं। इनमें से 5,370 बच्चे यहीं छात्रावासो में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर-दराज के जंगलों और गांवों से आए इन बच्चों को सुरक्षित घर, खाना, पढ़ाई और मार्गदर्शन सब कुछ एक ही छत के नीचे मिल रहा है।इसकी वजह से स्कूल ड्रॉप-आउट की दर 50त्न से घटकर महज 13त्न रह गई है।

वो बेटियां जिनके गांवों में कभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं था, आज उन्हीं इलाकों की बेटियां नीट-यूजी पास कर डॉक्टर बनने की कतार में खड़ी हैं। छू लो आसमान कन्या आवासीय कोचिंग सेंटर, कारली की कई छात्राओं ने इस साल नीट-यूजी में सफलता पाई है। इन्हें राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, आयुर्वेद, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सा में दाखिला मिला है। परीक्षा पास करने के साथ ही यह उन परिवारों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी बेटी 'डॉक्टर बेटी' कहलाएगी।

डिजिटल क्रांति की नई कहानीः डिजिटल शिक्षा की दिशा में यहां के नवगुरुकुल का प्रयास भी प्रेरक है। यहां युवाओं को आधुनिक डिजिटल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस केंद्र से प्रशिक्षित लगभग 100 युवा डेटा एनालिटिक्स और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। नवगुरुकुल की एक छात्रा का चयन एसएंडपी ग्लोबल में डेटा एनालिटिक्स के पद पर हुआ है। यह उपलब्धि बताती है कि बस्तर की प्रतिभा अब देश की बड़ी कंपनियों तक पहुंच रही है। आईटीआई में डीजल मैकेनिक, फिटर, वेल्डर और इलेक्ट्रिकल जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण लेने वाले 95 फीसदी छात्र जनजातीय समुदाय से हैं।

मैदान में निखर रही खेल प्रतिभाएंः एजुकेशन सिटीमें पढ़ाई के साथ खेल प्रतिभाओं को भी निखारा जा रहा है। यहां के 'एकलव्य खेल परिसर' में ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, तीरंदाजी और इंडोर स्टेडियम जैसी बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं।'खेलो इंडिया' से जुड़े इस परिसर में करीब 4,000 आदिवासी बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। ये बच्चे सिर्फ खेल नहीं सीख रहे, बल्किइनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और जीतने का जज्बा पैदा हो रहा है।

बेटियों की पढ़ाई को पहली प्राथमिकता : जावंगा एजुकेशन सिटी की सबसे बड़ी खूबी बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान है। यहां कन्या विद्यालयों और छात्रावासों के जरिए ग्रामीण बेटियां सुरक्षित माहौल में पढ़ रही हैं।'स्वामी आत्मानंद स्कूल' में लगभग 1200 छात्राएं कला, विज्ञान और वाणिज्य की उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यहां बेहतरीन आवास, भोजन, लाइब्रेरी और लैब जैसी सुविधाओं ने अभिभावकों का भरोसा जीता है। इससे दूरस्थ गांवों की उन बेटियों के सपने सच हो रहे हैं, जिन्हें पहले पढ़ाई के अवसर नहीं मिलते थे। दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जैसे इलाके जो कभी नक्सल प्रभावित थे, वहां के अनाथ और हिंसा पीड़ित बच्चों को आस्था विद्या मंदिर ने नया घर दिया है। यहां दाखिला मेरिट से नहीं, बच्चे की जरूरत और हालात देखकर होता है। इन बच्चों को सुरक्षित छत, पढ़ाई, खेल, संगीत और खुशहाल बचपन मिल रहा है। बंदूकों की गूंज के बीच पले-बढ़े ये बच्चे अब किताबों की दुनिया में अपनी नई पहचान बना रहे हैं।

इस मॉडल को सबने सराहा : जावंगा एजुकेशन सिटी की कामयाबी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। प्रतिष्ठित संस्था केपीएमजी ने इसे दुनिया की 100 सबसे बेहतरीन (नवोन्मेषी) परियोजनाओं में शामिल किया है, जिसमें पूरे भारत से मात्र 6 प्रोजेक्ट चुने गए हैं। इस अनूठी पहल के लिए दंतेवाड़ा प्रशासन को 'प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस शिक्षा मॉडल की सफलता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी जावंगा का दौरा कर इसकी प्रशंसा कर चुके हैं।जावंगा एजुकेशन सिटी आज आदिवासी बच्चों के सपनों का परिसर बन गया है। लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं।

मेष राशिः आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ है। धन लाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जाएगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिए दिन अच्छा है। करियर में आज कुछ बदलाव होने वाला है, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

वृष राशिः आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आपको अचानक धन लाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है, जल्द ही सफलता मिलने के योग हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से प्रभावित करेंगे। कोई रुका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने वाला है, जिसे सुनकर आपके चेहरे खिल उठेंगे। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी, जीवनसाथी की बात मानेंगे तो रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।

कर्क राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। पहले किए हुए निवेश का सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें। अपने जज्बात काबू में रखें, ज्यादा भावुक होने से बचें। आज आपको तरक्की के नए रास्ते मिलेंगे। दिक्कतों का तेजी से मुकाबला करने की क्षमता आपको खास पहचान दिलाएगी।

सिंह राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। इससे आप नुकसान से बचे रहेंगे। फालतू की शॉपिंग से बचें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। शाम को बच्चों के साथ समय बिताएंगे, जिससे दिन भर की उलझनें समाप्त हो जाएंगी।

कन्या राशिः आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा उपहार देंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। धनलाभ के नए स्रोत मिलेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन अच्छा है।

तुला राशिः आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जाएगा। आज खर्च में इजाफा बचत को थोड़ा मुश्किल बना देगा। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आप आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए नया प्लान बनाएंगे।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे हैं, तो फायदा होने वाला है। भाग-दौड़ के कारण आज आपको आलस्य महसूस होगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। अगर आप यात्रा कर रहे हैं तो सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।

मकर राशिः आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिए आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है। आज आप काम के प्रति सचेत रहें, कोई विरोधी आपके व्यापार को नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश कर सकता है।

कुम्भ राशिः आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आपमें प्रेरणा अधिक रहेगी, नौकरीपेशा वालों का आज प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जाएंगे, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जाएगा। किसी नए व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है। छात्रों को आज कोई बड़ी सफलता मिलने वाली है।

मीन राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से आपको छुटकारा मिलेगा। दोस्तों के साथ आज आप पार्टी करने का मन बनाएंगे। आज आपको दूसरों से बात करते समय अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। जीवनसाथी आज प्रसन्न होने की वजह देंगे। ग्राफिक डिजाइनर के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, कोई डिजाइन क्लाइंट को पहली बार में ही पसंद आ जाएगी।

पति-पत्नी विवाद में बच्चों और पॉक्सो कानून का दुरुपयोग

मनोज कुमार अग्रवाल

न्यायालय ने कहा है कि इस गंभीर कानून का इस्तेमाल दबाव बनाने या कानूनी बढ़त हासिल करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक और बच्चों की कस्टडी से जुड़े विवादों में पॉक्सो कानून के कथित दुरुपयोग को रोकने के लिए गुरुवार को गाइडलांस जारी किए हैं। ऐसे मामले में कोर्ट ने कहा कि नाबालिग से यौन अपराध के मामले में पॉक्सो एफआइआर दर्ज होने मात्र से आरोपी को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। पुलिस को गिरफ्तारी से पहले कानून में निर्धारित शर्तों को पूरा करना होगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य दिशानिर्देश और नियम- वैवाहिक कलह से जुड़े पॉक्सो मामलों में पुलिस अब तुरंत या रूटीन गिरफ्तारी नहीं कर सकेगी। गिरफ्तारी से पहले किसी बाल मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक द्वारा बच्चे का मूल्यांकन करना अनिवार्य किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चे पर कोई दबाव या ट्यूटरिंग सिखाया पढ़ाया जाना तो नहीं की गई है। ये सुरक्षा उपाय तभी लागू होंगे जब पॉक्सो का आरोप उसी घर में रहने वाले किसी माता-पिता या परिजन पर हो और उनके बीच पहले से वैवाहिक विवाद चल रहा हो। आपको बता दें कि वैवाहिक विवादों और कस्टडी की जंग में बच्चों का इस्तेमाल मोहरे की तरह किए जाने का चलन भारतीय समाज और न्याय प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर सामने आयी है। पति-पत्नी के आपसी मनमुटाव, अहंकार और बदले की भावना जब इस सीमा तक बढ़ जाए कि अपने ही बच्चे के यौन शोषण का झूठा आरोप दूसरे पक्ष पर मढ़ दिया जाए, तो यह न केवल कानून का घोर दुरुपयोग है, बल्कि बच्चे के मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ पर भी गहरा आघात है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर बेहद गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायालय का यह ऐतिहासिक निर्णय बच्चों के अधिकार, न्याय व्यवस्था की साख और बेकसूर माता-पिता के सम्मान की रक्षा की दिशा में एक बेहद संतुलित और स्वागत योग्य कदम है। वैवाहिक विवादों में पॉक्सो कानून के दुरुपयोग पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक कानूनी व्यवस्था में सुधार का प्रयास नहीं, बल्कि परिवार, समाज और न्याय व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी भी है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस संवेदनशील पहलू को ध्यान में रखते हुए वैवाहिक विवादों से जुड़े पॉक्सो मामलों में गिरफ्तारी और जांच के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय निर्धारित किए हैं। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक वैवाहिक विवाद से उत्पन्न मामले में पिता के विरुद्ध दर्ज पॉक्सो प्राथमिकी रद्द करते हुए देशभर के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जांच में आरोपों की पुष्टि नहीं हुई थी। अदालत ने बच्ची की कानूनी अभिरक्षा पिता के पास रहने तथा विशेषज्ञों की सहायता से पिता-पुत्री के संबंधों को पुनः स्थापित करने का निर्देश दिया। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है कि कानून का उद्देश्य न्याय दिलाना है, किसी व्यक्ति को प्रताड़ित करना नहीं। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया पॉक्सो अधिनियम अत्यंत महत्वपूर्ण कानून है। लेकिन जब इसका इस्तेमाल व्यक्तिगत दुश्मनी, बदले की भावना या बच्चे की अभिरक्षा हासिल करने के साधन के रूप में किया जाता है, तब वास्तविक पीड़ितों के हितों को भी नुकसान पहुंचता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जहां माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद हो और बच्चे के साथ रहने वाले किसी अभिभावक अथवा परिवार के सदस्य पर बौन अपराध का आरोप लगाया गया हो, वहां पुलिस को गिरफ्तारी के मामले में विशेष सावधानी बरतनी होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 के प्रावधानों का पालन आवश्यक होगा। सामान्यतः बच्चे का स्वतंत्र मूल्यांकन बाल मनोचिकित्सा अथवा नैदानिक मनोविज्ञान के विशेषज्ञ से कराया जाएगा। हालांकि, स्पष्ट साक्ष्य वाली असाधारण परिस्थितियों में जांच अधिकारी लिखित कारण दर्ज कर विशेषज्ञ मूल्यांकन के बिना भी आगे बढ़ सकता है। यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण है है क्योंकि गिरफ्तारी अपने आप में सजा नहीं है। किसी व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर आरोप लगना और उसका अपराध प्रमाणित होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। केवल प्राथमिकी दर्ज होने से किसी व्यक्ति को अपराधी मान लेना न्याय के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत है। विशेष रूप से बच्चों की अभिरक्षा से जुड़े मामलों में इसका महत्व और बढ़ जाता है। एक अभिभावक पर पॉक्सो का का आरोप लगते ही दूसरे पक्ष को कानूनी बढ़त मिल सकती है। आरोपित व्यक्ति को सामाजिक अपमान, मानसिक पीड़ा और लंबी अदालती प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है। यदि बाद में आरोप निराधार साबित हों, तब भी खोई हुई प्रतिष्ठा और टूटे हुए पारिवारिक संबंधों की भरपाई आसान नहीं होती। लेकिन इस पूरे विवाद में सबसे अधिक उपेक्षित पक्ष स्वयं बच्चा होता है। जिस उम्र में उसे माता-पिता का स्नेह, सुरक्षा और विश्वास मिलना चाहिए, उसी उम्र में उसे पुलिस, अदालत, पूछताछ और परस्पर विरोधी आरोपों का सामना करना पड़ता है। कई बार वह यह समझने की स्थिति में भी नहीं होता कि उसके आसपास आखिर हो क्या रहा है। ऐसे अनुभव उसके मन पर स्थायी प्रभाव छोड़ सकते हैं। इसलिए न्यायालय द्वारा स्वतंत्र विशेषज्ञ मूल्यांकन की व्यवस्था अत्यंत प्रासंगिक है। बच्चे की बात बिना दबाव, भय अथवा किसी पक्ष के प्रभाव के सुनी जानी चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि उसे बार-बार पूछताछ और अनावश्यक मानसिक तनाव से न गुजरना पड़े। विशेषज्ञ की रिपोर्ट जांच में सहायक होगी, लेकिन अंतिम निर्णय अन्य उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाएगा। पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 में कुछ परिस्थितियों में झूठी शिकायत अथवा गलत जानकारी देने पर दंड का प्रावधान है। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की चिंता उचित है कि दंडात्मक कार्रवाई होने तक निर्दोष व्यक्ति को गंभीर क्षति पहुंच चुकी हो सकती है। इसलिए केवल बाद में दंड देने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, शुरुआती स्तर पर विवेकपूर्ण जांच और कानूनी सावधानियां भी आवश्यक हैं। इस निर्णय के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस अधिकारियों, बाल संरक्षण इकाइयों, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों और न्यायिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय जरूरी होगा। विशेषज्ञों की उपलब्धता, निष्पक्षता और बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किए बिना दिशा-निर्देशों का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकेगा। इसके साथ ही अधिवक्ताओं और पारिवारिक सलाहकारों की नैतिक जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। मुकदमा जीतने के लिए किसी पक्ष को बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए प्रेरित करना केवल पेशेवर मर्यादा का उबंधन नहीं, बल्कि एक बच्चे के भविष्य के साथ अन्याय भी है। परिवारों को समझना चाहिए कि अदालत में मिलने वाली कानूनी बढ़त बच्चे के मन में उत्फा असुरक्षा और भय की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय समाज को आत्ममंथन का अवसर देता है। वैवाहिक संबंध टूट सकते हैं, पति-पत्नी अलग हो सकते हैं, लेकिन माता-पिता होने की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। बच्चे को किसी एक अभिभावक की जीत या दूसरे की हार का साधन बनाना उसके साथ सबसे बड़ा अन्याय है। आवश्यकता ऐसे न्याय की है, जो जो वास्तविक अपराधी को दंडित करे, करे, निदर्दोष को को अनावश्यक प्रताड़ना से बचाए और सबसे बढ़कर मासूम बच्चे की गरिमा, सुरक्षा तथा भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। कानून की वास्तविक सफलता इसी संतुलन में निहित है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट का यह मील का पत्थर निर्णय वैवाहिक विवादों में पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाएगा और बच्चों के सर्वोत्तम हितों की रक्षा करेगा।धारा 33 के तहत पॉक्सो स्पेशल कोर्ट में सीधे दाखिल शिकायतों में भी यही सुरक्षा उपाय लागू होंगे। अदालत को संज्ञान लेने और समन जारी करने से पहले विशेषज्ञ की सहायता लेनी होगी, सिवाय असाधारण परिस्थितियों के। यहां ध्यान रहे कि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल पॉक्सो केस दर्ज होने से यह नहीं माना जा सकता कि आरोप सही हैं। कस्टडी या गार्जियनशिप से जुड़ी समानांतर कार्यवाही में अदालत को आरोपों की पहली नजर में वास्तविकता पर स्वतंत्र रूप से विचार करना होगा। ये सुरक्षा उपाय उन एफआईआर -आधारित जांच पर भी लागू होंगे जो फैसले की तारीख को लंबित हैं। साथ ही, ऐसी निजी शिकायतों पर भी लागू होंगे जिनमें अभी समन जारी नहीं किए गए हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विश्वकप जीतने का एहसास फिर से चाहता हूं : रोहित शर्मा

एजेंसी, नई दिल्ली : भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की नजरें 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप पर टिकी हैं। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा आज रात 8 :30 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर की जाएगी। जियोस्टार से बातचीत में रोहित ने कप्तान शुभमन गिल, 2027 विश्वकप की तैयारियों और भारत के लिए एक और विश्वकप जीतने की अपनी इच्छा पर बात की।

शुभमन गिल की कप्तानी के बारे में रोहित ने कहा कि गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और कप्तान के तौर पर अभी उनके प्रदर्शन का आकलन करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, "शुभमन गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है, इसमें कोई शक नहीं। वह करीब एक साल से कप्तानी कर रहे हैं इसलिए इतनी जल्दी उनके कप्तान के रूप में आकलन करना उचित नहीं होगा। लेकिन मैंने उन्हें जितना देखा है, वह प्रभावशाली रहे हैं। वह जो चाहते हैं, उसे लेकर बहुत स्पष्ट हैं। कप्तान के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। अगर कप्तान स्पष्ट है तो उसके आसपास के खिलाड़ी भी स्पष्ट रहेंगे। शुभमन के साथ मुझे यही नजर आता है। वह जानता है कि उसे क्या चाहिए और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। निश्चित तौर पर किसी भी कप्तान को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के समर्थन की जरूरत होती है। मुझे यकीन है कि मैं जिस भी तरह उसकी मदद कर सकता हूं, करूंगा।" रोहित ने गिल को लगातार समर्थन देने की बात भी कही। उन्होंने कहा, "शुभमन कप्तान है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं उससे दूर रहूं या उससे कम बात करूं। जब से उसने पदार्पण किया है, हम एक ही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसा ही होना चाहिए और किसी भी वजह से इसमें बदलाव नहीं होना चाहिए। उसे टीम के भरोसे की जरूरत है और यह पता होना चाहिए कि सभी एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा काम उसका समर्थन करना और टीम को आगे ले जाना है।" 2027 वनडे विश्वकप जीतने के महत्व पर रोहित ने कहा, "आगामी वनडे विश्वकप जीतना शानदार होगा, मैं बस इतना ही कहूंगा। मैं अभी इसे किसी पूर्ण चक्र या ऐसी किसी चीज के रूप में नहीं देखना चाहता। भारत के लिए विश्वकप जीतना एक विशेष एहसास है। टी20 प्रारूप में मैं इसका दो बार अनुभव कर चुका हूं। 2007 में मैं सिर्फ 20 साल का युवा था। निश्चित रूप से यह बड़ा टूर्नामेंट है और पहले ही साल विश्वकप

जीतना शानदार था। फिर हमने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती और उसके बाद करीब 11 साल का लंबा दौर आया, जब हम कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत सके। इसलिए जब हमने 2024 में टी20 विश्वकप जीता, तब एहसास हुआ कि यह कितना महत्वपूर्ण था। वह एहसास आज भी काफी हद तक मेरे अंदर है। मैं जानता हूं कि विश्वकप जीतना कैसा लगता है। इसलिए मैं वह एहसास फिर से चाहता हूं। हमने उस दौरान जो आनंद महसूस किया, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता क्योंकि उसकी बराबरी नहीं की जा सकती। इसलिए मेरे लिए वह विश्वकप जीतना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि मैं उस एहसास को फिर से महसूस करना चाहता हूं।" 2027 विश्वकप की तैयारी और मौजूदा समय पर ध्यान देने के बारे में रोहित ने कहा, "मैं चाहता हूं कि 2027 तक खुद को पर्याप्त रूप से सक्षम बनाए रखूं। फिट रहूं, कड़ी मेहनत करता रहूं और आने वाले हर टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करता रहूं। मुझे इसी बारे में सोचना और यही करना है। मेरा तत्काल लक्ष्य यह है कि इस समय मेरे सामने जो है, उसे ठीक से करूं। अभी से अगले अक्टूबर के बारे में सोचना मेरे खेल में मदद नहीं करेगा। जो चीज मेरी मदद करेगी, वह है वर्तमान में रहना, अपने सामने आने वाली हर चुनौती को पूरा करना और फिर आगे बढ़ते रहना।" उन्होंने आगे कहा, "जिंदगी में मैंने इसी तरह कदम-दर-कदम प्रगति की है और अभी भी मुझे यही करना है। मूल रूप से मैं यह कहना चाहता हूं कि मुझे कुछ बदलने की जरूरत नहीं है। अब तक मेरा सफर जिस तरह रहा है, मैं उसी तरह आगे बढ़ाना चाहता हूं। अपनी बल्लेबाजी पर कड़ी मेहनत करता रहूं, फिटनेस पर काम करता रहूं, टीम के खिलाड़ियों की मदद करूं और जहां जरूरत हो वहां अपना इनपुट दूं, बस इतना ही।"

मनदीप सिंह ने पूरे किए 300 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी, काकामिगाहारा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्टार फॉरवर्ड मनदीप सिंह ने गुरुवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 300 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे कर लिए। उन्होंने यह उपलब्धि जापान के काकामिगाहारा में पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान हासिल की। 31 वर्षीय मनदीप ने 2013 में 18 साल की उम्र में सीनियर भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। हॉकी इंडिया लीग में सेंटर फॉरवर्ड के रूप में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन

के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली थी। इसके बाद उन्होंने कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और टीम की सफलताओं में योगदान दिया। उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का शुरुआती महत्वपूर्ण पड़ाव 2016 में आया, जब वह जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इसके बाद उनका करियर ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अन्य प्रमुख वैश्विक एवं महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में कई पदकों से सजा। मनदीप टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। एशियाई खेलों में उन्होंने 2023 में हांगझोउ में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भूमिका निभाई, जबकि 2018 में जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। प्रतियोगिता मलेशिया में 5 से 11 अक्टूबर तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार, पिछली प्रतियोगिता की टीम की 11 खिलाड़ी इस बार भी टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। भारत को ग्रुप ई में रखा गया है। टीम 5 अक्टूबर को इराक के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 8 अक्टूबर को सीरिया और 11 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से मुकाबला होगा। केवल ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही अंतिम प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करेगी। सभी मुकाबले सेलांगोर के सेलांग स्थित एमपी सेलांग स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2 अक्टूबर को कुआलालंपुर पहुंचेगी। भारतीय टीम ने जुलाई में बेंगलुरु में तैयारी शिविर शुरू किया था। इसके बाद पिछले महीने ताशकंद का दौरा किया, जहां उसने उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मुकाबले खेले और दोनों गोलरहित ड्रॉ रहे। भारत लौटने के बाद टीम ने गोवा में तैयारियां जारी रखीं और फिलीपींस के खिलाफ दो बंद दरवाजे वाले मैत्री मुकाबले खेले।

एशियाई खेल : अनीश भानवाला 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में सातवें स्थान पर रहे

एजेंसी, नागोया

भारत के अनीश भानवाला ने गुरुवार को एची प्रीफेक्चर जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में सातवां स्थान हासिल किया। इसके साथ ही एशियाई खेलों में भारत का निशानेबाजी अभियान 15 पदकों के साथ समाप्त हो गया। भारतीय निशानेबाजों ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, आठ रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक जीते। अनीश 11 अंक के स्कोर पर अन्य निशानेबाजों के साथ बराबरी पर थे, लेकिन क्वालीफिकेशन में

कम रैंकिंग के कारण काउंटबैक के आधार पर उन्हें बाहर होना पड़ा और उन्होंने सातवें स्थान पर अपना अभियान समाप्त किया। अनीश ने क्वालीफिकेशन में 576-17एक्स का स्कोर करते हुए नौवां स्थान हासिल किया था, लेकिन इसके बावजूद फाइनल में जगह बनाई। दक्षिण कोरिया के तीन निशानेबाज शीर्ष आठ में रहे थे, लेकिन एक देश से अधिकतम दो निशानेबाजों को ही फाइनल में जगह मिल सकती थी। इस नियम के कारण अनीश को आठवें और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान पर फाइनल में प्रवेश मिला। एची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय पिस्टल निशानेबाजों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत निराशाजनक रहा और उन्होंने भारत के कुल 15 पदकों में से केवल दो पदक जीते। भारत ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत और मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया।

बिजनेस

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद फिसले ए-वन स्टील्स के शेयर, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

मेटकॉक और सिलिकॉन मैंगनीज तथा फेरोसिलिकॉन जैसे इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी ए-वन स्टील्स इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत करने के बाद अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि, मुनाफा वसूली के दबाव के कारण निवेशकों की ये खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 405 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 14.07 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 462 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 12.35 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 455 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 470 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में ये शेयर लाल निशान में 393.70 रुपये के स्तर तक गिर

गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 2:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 405.60 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर सिर्फ 60 पैसे यानी 0.15 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 405 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 8.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.68 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 25.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 8.87 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.78 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,00,03,990 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 355 करोड़ रुपये के 87,69,423 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 50 करोड़ रुपये के 12,34,567 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 38.91 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर 7.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 127.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 3,862.44 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में गिरावट के साथ 3,569.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

गोयल ने अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर से की मुलाकात, व्यापार समझौते पर चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली/वाशिंगटन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने विस्कॉन्सिन के मिल्वॉकी में जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान व्यापार समझौते पर चर्चा हुई। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में लिखा, मिल्वौकी में जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान यूएसटीआर जेमिसन ग्रीर से मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत दोनों देशों के लिए अंतरिम समझौते को जल्द पूरा करने की दिशा में फायदेमंद और सार्थक बातचीत हुई। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हमने अमेरिका की अध्यक्षता में हो रही जी-20 की चर्चाओं पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान व्यापार और आर्थिक सुरक्षा के लिए यूरोपीय कमिश्नर और मेरे दोस्त मारोश शेफकोविच से मिलकर अच्छा लगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (भारत-ईयू एफटीए) पर हस्ताक्षर करने और उसे लागू करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की।

पेशवा व्हीट ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

गेहूं से बने प्रोडक्ट्स की प्रोसेसिंग का कारोबार करने वाली कंपनी पेशवा व्हीट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने गिरावट के साथ लिस्ट होकर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 101 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.94 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 100.05 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस शेयर की कमजोरी और बढ़ने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर कुछ देर में ही 95.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.95 रुपये यानी 5.89 प्रतिशत का नुकसान हो गया। पेशवा व्हीट 53.52 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 177.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 36 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.69 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52,99,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नये प्लांट का सेटअप करने, नई मशीनरी खरीदने, सिविल कंस्ट्रक्शन करने के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। पेशवा व्हीट लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 5.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 11.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 15.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 43.81 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़त के साथ 171.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 215.96 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में लगातार बढ़त देखी गई।

स्टॉक मार्केट में रूपा स्क्रीन की धमाकेदार शुरुआत, लोअर सर्किट लगने के बावजूद बंपर मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

रोटरी स्क्रीन प्रिंटिंग मशीनों में इस्तेमाल के लिए रोटरी निकेल स्क्रीन बनाने वाली कंपनी रूपा स्क्रीन ने आज जबरदस्त मजबूती के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 64 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 121.60 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 127.68 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस स्तर पर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक

हो गया और इसके भाव में गिरावट का रुख बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण कुछ देर बाद ही ये शेयर 115.52 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दन के कारोबार में लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 51.52 रुपये यानी 80.50 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। इस आईपीओ में एक लॉट 2,000 शेयर का था। मतलब कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज लोअर सर्किट लगने के बाद भी प्रति लॉट कम से कम 1,03,040 रुपये का फायदा हो गया।

इस कंपनी का 19.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 270.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 45.45 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 423.19 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 523.15 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सरकार ने डीजल और एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स घटाया, नई दरें आज से लागू

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने डीजल और एविऐशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को घटा दिया है, जबकि पेट्रोल पर लगने वाले टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार केंद्र सरकार ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। हालांकि, पेट्रोल निर्यात के लिए टैक्स की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अधिसूचना के अनुसार डीजल के निर्यात पर 4 रुपये और एटीएफ पर 4.50 रुपये प्रति लीटर शुल्क घटाया गया है, जो एक अक्टूबर से लागू हो गया। अधिसूचना के मुताबिक डीजल पर निर्यात शुल्क 20 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं, एटीएफ पर लगने वाले निर्यात शुल्क को 15 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 10.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह 0.5 रुपये प्रति लीटर पर ही बरकरार है। संशोधित दरें दो सप्ताह के लिए लागू रहेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने 16 सितंबर को भी सरकार ने विंडफॉल टैक्स को घटााया था। उस समय डीजल पर शुल्क में पांच रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर चार रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिसके बाद डीजल पर शुल्क 20 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर शुल्क 15 रुपये प्रति लीटर हो गया था। 1 सितंबर से अब तक डीजल पर कुल 9 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 8.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की जा चुकी है।

स्टॉक मार्केट में मनीव्यू की शानदार शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

अपने क्लायंट्स को मोबाइल प्लेटफॉर्म के जरिये डिजिटल फाइनेंशियल सर्विस देने वाली कंपनी मनीव्यू लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करने में सफलता हासिल की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 34 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 63.56 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55.61 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 61.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की स्थिति में सुधार होने लगा।

लगातार हो रही खरीदीरी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 62 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद -बिक्री के बीच दोपहर 2:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 52.39 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 18.39 रुपये यानी 54.09 प्रतिशत के जबरदस्त फायदे में थे। इस कंपनी का 1,091.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 71.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 92.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 119.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

बॉक्स ऑफिस पर द वन ने मंडे टेस्ट भी किया पास, बनी सिद्धार्थ की 7वीं सबसे बड़ी फिल्म

सि सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत लोककथाओं पर आधारित फंतासी रोमांचक फिल्म 'द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट ने शुरुआती सप्ताहांत में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले तीन दिनों में 30 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया। हालांकि, रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सोमवार को 5.25 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म ने पहले दिन 8 करोड़ रुपये से शुरुआत की थी। दूसरे दिन इसकी कमाई 11.25 करोड़ रुपये रही, जबकि तीसरे दिन फिल्म ने 14.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके बाद चौथे दिन 5.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ भारत में फिल्म का चार दिनों का कुल शुद्ध कारोबार 38.85 करोड़ रुपये हो गया है। 'द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को भारतीय लोककथाओं, भक्ति, कार्रवाई और अलौकिक घटनाओं के मिश्रण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की कहानी पटना के पास बिहटा स्थित वन देवी मंदिर से जुड़ी लोककथा से प्रेरित बताई गई है। निर्माताओं ने इसे पौराणिक कथाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित मुख्यधारा की मनोरंजक फिल्म के रूप में पेश किया है। बिहार के अलावा दिल्ली-एनसीआर और कई अन्य राज्यों में फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिला। हालांकि सप्ताहांत के बाद सोमवार को इसकी कमाई की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। पहले सोमवार को 5.25 करोड़ रुपये का कारोबार करने के साथ 'द वन सिद्धार्थ मल्होत्रा के करियर की भारतीय बॉक्स ऑफिस पर प्रमुख फिल्मों में शामिल हो गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने 'हंसी तो फंसी के 37.36 करोड़ रुपये के जीवनकाल कारोबार को पीछे छोड़ दिया है। चार दिनों में 38.85 करोड़ रुपये के शुद्ध कारोबार के साथ फिल्म की कमाई में आगे भी बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है। इसी बीच अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत 'मिर्जापुर द मूवी सिनेमाघरों में चौथे सप्ताह में पहुंच गई है। फिल्म ने 25.75 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी और 24वें दिन 1.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया। शुरुआती कारोबार के आंकड़ों के अनुसार, रिलीज के 25वें दिन यानी चौथे सोमवार को फिल्म ने 60 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ भारत में 25 दिनों का फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 227.65 करोड़ रुपये हो गया है। दूसरी ओर, 'हनुमान अंश का सिनेमाघरों में लंबा सफर जारी है। फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म ने अपने 52वें दिन यानी आठवें रविवार को 9 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया था। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 53वें दिन यानी आठवें सोमवार को 'हनुमान अंश ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ भारत में फिल्म का 53 दिनों का कुल शुद्ध कारोबार बढ़कर 309.38 करोड़ रुपये हो गया है। 'द वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी, अनूप सोनी, मनीष पॉल, अवतार गिल, मिलिंद गुणाजी, सुभा आर्य, दुर्गेश कुमार, संदीप वेद और अक्षान सहरावत प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

बेटे से दूर होने का ख्याल इतना भारी था वह पूरे तीन घंटे के सफर में रोती रहीं

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने मां बनने के बाद अपने करियर में कई बदलाव देखे। अब पहली बार उन्होंने उन बदलावों पर खुलकर बात की है। परिणीति ने बताया कि जब बेटे के जन्म के कई महीनों बाद उन्हें पहली बार काम के सिलसिले में घर से बाहर जाना पड़ा, तो वह खुद को संभाल नहीं पाईं। बेटे से दूर होने का ख्याल उनके लिए इतना भारी था कि पूरे तीन घंटे के सफर में वह रोती रहीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि जब उनका बेटा हुआ तो उन्होंने काफी समय अपने बच्चे के साथ ही बिताया। इतने लंबे समय तक बच्चे के साथ रहने के बाद जब अचानक उन्हें अपने बच्चे से दूर जाना पड़ा तो, उन्होंने कहा कि वह बहुत मुश्किल पल था। उन्होंने कहा कि इस एहसास को सिर्फ 'मॉम गिल्ट' कह देना शायद सही नहीं होगा, क्योंकि उस वक्त उन्हें इससे कहीं ज्यादा गहरा दर्द महसूस हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिणीति ने कहा कि उस पहले वर्क ट्रिप को याद करते हुए मैं आज भी इमोशनल हो जाती हूं। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार अपने बेटे को घर छोड़कर निकलीं, तो उन्हें सफर की कोई खास बात याद नहीं है, क्योंकि उस वक्त उनका सारा ध्यान सिर्फ अपने बेटे और घर पर ही था। उन्हें ये भी याद नहीं कि वह एयरपोर्ट कैसे पहुंचीं, फ्लाइट में कब बैठीं और मुंबई पहुंचने के बाद घर तक कैसे गईं। उस पूरे सफर में उनका ध्यान अपने बच्चे पर ही था कि वह कैसे उसके बिना काम कर पाएंगी। परिणीति ने बताया कि उस वक्त बेटे से दूर होने का अहसास सिर्फ इमोशनली ही मुझे तकलीफ नहीं दे रहा था, बल्कि वो एक ऐसा दर्द था जो मुझे अंदर तक परेशान कर रहा था। वह एक पल ऐसा था, जब मुझे लगा कि अब मैं काम नहीं कर पाउंगी, लेकिन मुझे ये भी पता था कि मेरा बच्चा घर पर पूरी तरह सेफ है, जितने समय वह अपने बेटे से दूर रही, उनके बैचनी बढ़ती ही रही। परिणीति ने इस

दौरान कामकाजी महिलाओं को लेकर समाज की सोच पर भी बात की। बता दें परीणीति ने ये सवाल उठाया कि बच्चे के जन्म के बाद किसी महिला से यह उम्मीद क्यों की जाती है कि वह अपने करियर को पूरी तरह रोक दे। उनका कहना था कि मां बनने के बाद भी महिलाओं को सामान्य जिंदगी जीने और अपने करियर पर काम करने का हक होना चाहिए। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने मां बनने के बाद अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत जिंदगी में आए बड़े बदलावों पर दिल खोलकर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने उस भावुक पल का जिक्र किया जब बेटे के जन्म के बाद उन्हें पहली बार काम के सिलसिले में घर से बाहर जाना पड़ा था। परिणीति ने बताया कि लंबे समय तक बच्चे के साथ रहने के बाद अचानक उससे दूर होना उनके लिए बेहद तकलीफदेह था। अपने पहले वर्क ट्रिप को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे तीन घंटे के सफर के दौरान वह लगातार रोती रहीं। उनके मुताबिक, इस अहसास को महज 'मॉम गिल्ट' कहना सही नहीं होगा, क्योंकि उस वक्त उन्हें गहरा शारीरिक और मानसिक दर्द महसूस हो रहा था। उन्हें यह तक याद नहीं कि वह एयरपोर्ट कैसे पहुँचीं और फ्लाइट का सफर कैसे बीता, क्योंकि उनका पूरा ध्यान घर पर छूटे अपने बच्चे पर ही टिका था। इसके साथ ही परिणीति ने कामकाजी महिलाओं को लेकर समाज की सोच पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मां बनने के बाद किसी महिला से यह उम्मीद क्यों की जाती है कि वह अपने करियर को पूरी तरह रोक दे। महिलाओं को मां बनने के बाद भी सामान्य जिंदगी जीने और अपने सपनों को पूरा करने का पूरा हक मिलना चाहिए।

लड़कों को क्यों नहीं सिखाया जाता कि वे किसी को असुरक्षित न बनाएं : कुब्रा सैत

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने एक वीडियो के जरिए भारत में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान खींचा है। अपने सोशल मिडिया के माध्यम से कुब्रा सैत ने एक सीधा लेकिन असहज सवाल पूछा है कि लड़कियों को सुरक्षित रहने के तरीके सिखाने के बजाय लड़कों को यह क्यों नहीं सिखाया जाता कि वे किसी को असुरक्षित न बनाएं? वीडियो की शुरुआत उन्होंने इस लाइन से की है, "सेफ्टी एक ऐसी जगह है जिसका नाम नार्निया है। और हां, वह काल्पनिक है।" इसके बाद उन्होंने हाल के कई मामलों का जिक्र किया है, जिनमें छोटी बच्चियों से लेकर घर लौट रही छात्राओं तक को हिंसा और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि उम्र, जगह, समय या परिस्थिति कोई भी ऐसी गारंटी नहीं है, जो महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

इसके बाद कुब्रा उन सलाहों पर सवाल उठाती हैं जो महिलाओं को बचपन से दी जाती हैं। अपने वीडियो में वे कह रही हैं, "ढंग से कपड़े पहनो। रात में बाहर मत जाओ। लड़कों के साथ मत घूमो। अपनी लोकेशन शेयर करो। पेपर स्प्रे साथ रखो। सावधान रहो। आखिर और कितना सावधान रहें?" फिर वह बातचीत का रुख बदलते हुए पूछती हैं, "ये निर्देश लड़कों तक कब पहुंचेंगे? किसी का पीछा मत करो। उसे डराओ मत। उसे धमकाओ मत। उसके इंकार को सजा मत बनाओ। 'ना' को 'ना' समझो। आगे अपने खास अंदाज और व्यंग्य के साथ कुब्रा कहती हैं कि शायद लड़कों को "रिफॉर्मेशन कैंप, कंसेंट कैंप, ईगो डिटॉक्स या पितृसत्ता मुक्ति केंद्र" भेजने की जरूरत है। इसके बाद वह जोड़ती हैं, "क्योंकि 'लड़के तो लड़के ही रहेंगे' वाली परवरिश काम नहीं कर रही है।" कुब्रा के संदेश का सबसे प्रभावशाली हिस्सा वह पंक्ति है जिसमें वह कहती हैं, "फेमिनिज्म सिर्फ इतना है कि महिलाएं भी इंसान हैं। ऐसी इंसान जिन्हें पढ़ने, हंसने, प्यार करने, स्टेशनरी खरीदने, बाइक चलाने, किसी लड़के के साथ खड़े होने या सिर्फ सार्वजनिक जगहों पर बिना डर के मौजूद रहने का अधिकार होना चाहिए। गौरतलब है कि कुब्रा का यह संदेश महिलाओं से और अधिक सावधान होने की मांग नहीं करता। वह समाज से यह सवाल करता है कि महिलाओं को सुरक्षित रखने के नाम पर आखिर कब तक उनकी दुनिया छोटी की जाती रहेगी। जैसा कि वह कहती हैं कि हिंसा, डर, शर्म, परिणाम और दोष वहीं जाने चाहिए, जहां उनका वास्तव में स्थान है। और शायद यही वह सवाल है, जो उनका वीडियो पीछे छोड़ जाता है महिलाओं से आखिर और कितना बदलाव की उम्मीद की जाएगी, इससे पहले कि हम उन लोगों से बदलाव की मांग करें, जो उन्हें असुरक्षित बनाते हैं? उन्होंने पूछा है कि "आखिर महिलाओं को और कितना सावधान रहना है?" कुब्रा सैत का यह सवाल उस सोच पर सीधा प्रहार करता है, जिसमें सुरक्षा की जिम्मेदारी हमेशा महिलाओं के कंधों पर डाल दी जाती है।

कार्थी की 'सरदार 2 की ओटीटी रिलीज डेट का ऐलान, 1 अक्टूबर से प्राइम वीडियो पर होगी प्रदर्शित

अ अभिनेता कार्थी की जासूसी-कार्रवाई पर आधारित फिल्म 'सरदार 2 सिनेमाघरों में प्रदर्शन के कुछ सप्ताह बाद अब डिजिटल मंच पर दस्तक देने जा रही है। पी. एस. मिथुन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 अक्टूबर 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित होगी। फिल्म को तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे अलग-अलग भाषाई क्षेत्रों के दर्शक फिल्म को अपनी पसंदीदा भाषा में देख सकेंगे। 'सरदार 2 में कार्थी ने जासूस सरदार और निरीक्षक विजय प्रकाश की दोहरी भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी विजय प्रकाश की एक महत्वपूर्ण जांच के इर्द-गिर्द घूमती है, जो खतरनाक 'ब्लैक डैगर और जैव-रासायनिक हथियार के खतरे से जुड़ी है। जांच के दौरान विजय को कई रहस्यों का सामना करना पड़ता है और कहानी अंतत: उसे अपने पिता से दोबारा मिलाती है। फिल्म में कार्थी के अलावा एस. जे. सूर्या, मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ, रजिषा विजयन और योगी बाबू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। जासूसी, कार्रवाई और रोमांच से भरपूर इस फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया गया है। 'सरदार

2 का निर्देशन पी. एस. मिथुन ने किया है। फिल्म को कई भाषाओं में प्रदर्शित किए जाने के बाद अब इसके डिजिटल प्रदर्शन को भी बहुभाषी रखा गया है। इससे दक्षिण भारतीय फिल्मों के साथ-साथ हिंदी भाषी दर्शकों तक भी इसकी पहुंच बढ़ने की उम्मीद है। व्यापारिक रिपोर्टों के अनुसार, 'सरदार 2 के निर्माण पर करीब 80 से 90 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। फिल्म के सिनेमाघर प्रदर्शन से पहले इसके लगभग 60 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया गया था। इसमें तमिलनाडु, तेलुगु भाषी राज्यों, देश के अन्य हिस्सों और विदेशी बाजारों से मिलने वाले अधिकारों को शामिल किया गया था। हालांकि सिनेमाघरों में फिल्म का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 'सरदार 2 ने दुनियाभर में करीब 23.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसमें भारतीय बाजार से लगभग 19 करोड़ रुपये और विदेशी बाजार से करीब 4.85 करोड़ रुपये की कमाई शामिल है। सिनेमाघरों में अपेक्षाकृत कम कारोबार के बाद अब फिल्म के डिजिटल प्रदर्शन पर नजरें टिकी हैं। 1 अक्टूबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होने के बाद दर्शकों को 'सरदार 2 देखने का एक और अवसर मिलेगा। पांच भाषाओं में फिल्म के प्रदर्शित होने से इसकी पहुंच देश के विभिन्न हिस्सों के दर्शकों तक बढ़ने की संभावना है। फिल्म में कार्थी की दोहरी भूमिका, जासूसी अभियान, जैव-रासायनिक हथियार का खतरा और पारिवारिक रहस्य कहानी के प्रमुख हिस्से हैं। अब डिजिटल मंच पर फिल्म को सिनेमाघरों की तुलना में कहीं व्यापक दर्शक वर्ग मिलने की उम्मीद की जा रही है।

नीना गुप्ता को जेडी लगने लगे गॉडफादर

अ पने हाल ही में रिलीज हुए स्ट्रीमिंग शो चुंबक में शानदार अभिनय के लिए अभिनेत्री नीना गुप्ता दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं बटोर रही हैं। उनके काम को शो में खूब सराहा जा रहा है। हाल ही में, नीना गुप्ता ने शो के निर्माता जेडी मजीठिया की जमकर प्रशंसा की और उनके साथ जुड़ा एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाला किस्सा साझा किया। नीना ने बताया कि जेडी का व्यवहार उन्हें इतना प्रभावित कर गया कि वे उन्हें किसी गॉडफादर की तरह लगे। एक बातचीत के दौरान, नीना ने जेडी मजीठिया के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए बताया, मैं एक बार शूटिंग के बाद किसी अवॉर्ड फंक्शन में गई थी।

संयोग से जेडी भी मेरे पास ही बैठे हुए थे। जब अवॉर्ड प्रेजेंट करने के लिए स्टेज से मेरा नाम पुकारा गया, तो जेडी ने मेरी काफी मदद की। वह तुरंत मेरे साथ खड़े हो गए और मेरा पर्स लेकर स्टेज तक जाने में मेरी मदद की। नीना

ने आगे अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, उस वक्त जेडी मुझे किसी गॉडफादर की तरह लगे। उन्होंने मेरा पर्स अपने हाथ में लिया और मुझे स्टेज तक लेकर गए। मुझे थोड़ा अजीब भी लगा कि इतना बड़ा और जाना-पहचाना शख्स मेरा पर्स क्यों उठा रहा है, लेकिन जेडी ने इसको लेकर कोई झिझक नहीं दिखाई। जब मैं अवॉर्ड लेकर वापस आई, तो जेडी ने दोबारा मेरा पर्स अपने हाथ में ले लिया। नीना ने इस बात पर जोर दिया कि यह व्यवहार किसी पुरानी दोस्ती का परिणाम नहीं था, बल्कि जेडी की सहज और मानवीय पर्सनैलिटी का हिस्सा था। उन्होंने कहा, मैंने जेडी के साथ सिर्फ इसी प्रोजेक्ट पर काम किया है, इसलिए यह व्यवहार दोस्ती की वजह से नहीं था। यह उनकी पर्सनैलिटी है। वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को परिवार की तरह ट्रीट करते हैं। उनके साथ एक तरह की फैमिली फीलिंग आती है। वह उन लोगों में से हैं, जिनके पास कोई परेशानी होने पर आप जाकर बात कर सकते हैं। चुंबक शो की बात करें तो, यह एक मल्टी-जेनरेशनल कॉमेडी ड्रामा है, जिसकी कहानी आज के शहरी भारतीय मोहल्ले के इर्द-गिर्द घूमती है। यह शो एक ऐसे पड़ोस को दर्शाता है जहाँ छोटी से छोटी खुशी भी एक बड़े उत्सव में बदल जाती है, लेकिन कोई भी परेशानी ज्यादा देर तक निजी नहीं रह पाती। दर्शकों को रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-बड़े किस्सों के बीच खूब हंसी-मजाक और नाटकीयता देखने को मिलती है, जो इसे बेहद मनोरंजक बनाता है।

पानी पीते समय न करें ये गलतियां, स्वास्थ्य को पहुंचा सकती हैं नुकसान

पा पानी पीना जीवन का सबसे सरल कार्य है, लेकिन इस दौरान भी कई छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं, जो सेहत को प्रभावित कर सकती हैं। सही तरीके से पानी पीना बहुत जरूरी है ताकि शरीर को पूरा पानी मिल सके। आइए आज हम आपको पानी पीते समय की जाने वाली गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका स्वास्थ्य सही बना रहे और आप स्वस्थ रह सकें। कई लोग पानी पीते समय सांस रोक लेते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। इससे फेफड़ों में पानी जाने का खतरा बढ़ जाता है, जिससे फेफड़ों में संक्रमण हो सकता है। इसलिए पानी पीते समय कभी भी सांस रोककर नहीं पीना चाहिए। इसके अलावा पानी को धीरे-धीरे और छोटे-छोटे घूंट लेकर पीना चाहिए ताकि वह आसानी से पेट में पहुंच सके और शरीर को पूरा पानी मिल सके। पानी पीते समय बातचीत करना भी एक आम गलती है, जिसे हमें सुधारने की जरूरत है। पानी पीते समय बात करने से हमारा ध्यान भटक जाता है और हम

सही मात्रा में पानी नहीं पी पाते। इसके अलावा इससे खाना भी सही तरीके से नहीं पचता। इसलिए जब आप पानी पी रहे हों तब चुपचाप पानी पिएं और ध्यान दें कि आप कितनी मात्रा में पानी पी रहे हैं। खाने के तुरंत बाद पानी पीना भी गलत है क्योंकि इससे पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ता है। खाना करने के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ता है। इससे पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और खाना सही तरीके से पच नहीं पाता। इससे गैस बनने लगती है और पेट में जलन भी होती है। इसलिए खाने के कम से कम 30 मिनट बाद ही पानी पीना चाहिए।

ठंडा पानी न पिएं

ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो सकती है और सर्दी-बुखार का खतरा भी बढ़ सकता है। ठंडे पानी से पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए ठंडा पानी न पीकर सामान्य तापमान वाला पानी ही पिएं। इस तरह आप इन छोटी-छोटी गलतियों को सुधारकर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

East Champaran SP suspends Paharpur SHO over alleged dereliction of duty

Action follows supervisory inquiry into delayed FIR, failure to record recovery of liquor and stolen vehicle, and non-reporting of the incident to senior officers

Sagar Suraj

MOTIHARI : East Champaran superintendent of police on Thursday suspended Manish Kumar, station house officer (SHO) of Paharpur police station after a supervisory inquiry found several instances of alleged negligence, dereliction of duty and questionable conduct in connection with an incident involving a stolen motorcycle and liquor recovery.

According to a press release issued by the SP's office on October 1, the incident occurred on the night of September 19, when Vijay Kumar Sahu and Ramesh Sahu were allegedly assaulted near Saraiya Barwa Tola under Paharpur police station.

The accused reportedly fled after abandoning two motorcycles. Local police and a Dial-112 team reached the spot, following which the motorcycles were handed over to the police.

Press notes reads, the police station driver reportedly opened the dickey of one of the motorcycles and found liquor inside. However, the written application submitted by the complainant for registration of an FIR was allegedly not acted upon by the SHO. The matter was also not reported to senior officers, according to the SP's office.

Police said, a supervisory inquiry subsequently flagged seven lapses, including failure to register an FIR despite receiving the application, recovery of a stolen vehicle, recovery of liquor from the stolen vehicle, failure to make the relevant entry in the station diary, and failure to inform senior officers.

The inquiry also noted that no FIR or other action was initiated even after 11 days of the incident. The SHO was subsequently asked to furnish an explanation.

After considering the inquiry report and the explanation submitted by the SHO, the SP ordered his suspension with immediate effect on administrative and disciplinary grounds.

BRIFF NEWS

Supreme Court allows forensic audit in Fortis case

New Delhi, Agency : The Supreme Court on Tuesday upheld a Delhi HC order directing forensic audit of dissipation of shares of Fortis Healthcare Ltd (FHL) and Fortis Healthcare Holdings Pvt Ltd (FHHPL) through 17 banks and financial institutions allegedly to frustrate execution of a decade-old Rs 5,300 crore foreign decree by Daiichi Sankyo against brothers Malvinder and Shivinder Singh.

Brushing aside a challenge to the forensic audit order of the HC by senior advocate Shyam Divan, appearing on behalf of Yes Bank and Axis Bank, a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana clarified the forensic audit would not be a roving inquiry against the banks or FIIs but will focus on the transaction of shares of FHL and FHHPL.

The bench also chided Daiichi for giving up its plea for forensic audit of the dissipation of shares in the two companies, which was a major window for the banks to argue that HC could not have passed the order for forensic audit when decree holder had given up that plea.

Daiichi counsel Arvind Datar told the court that the foreign decree, upheld by SC, had not been implemented for a decade and the plea giving up forensic audit was made due to frustration over the long lapse of time in executing the decree in India.

Clarify if you trust results of polls which you won: BJP to Cong

New Delhi, Agency: BJP on Tuesday accused Congress of duplicity for selectively targeting the Election Commission over unfavourable electoral results and trying to undermine India's electoral system after failing to win public support within the current democratic framework.

BJP's Smriti Irani said Congress should clarify whether it also distrusted EC results in Keralam, Karnataka, Telangana and Himachal Pradesh, where they are in office, and Jharkhand, where JMM-Congress is in government.

As Congress continued attacking CEC Gyanesh Kumar over the SIR and demanded its suspension, Irani asked why it wanted deceased people and duplicate names retained on poll rolls. She said the EC had rebutted every allegation, but Congress "continues spreading falsehood."

BJP spokesperson Siddharth Yadav accused Congress of a U-turn, saying it had earlier raised concerns about duplicate and deceased voters in Andhra, Rajasthan and Keralam. "Now that those names have been deleted, they are doing politics of convenience for its own political benefits."

NCERT text spotlights resistance in medieval India history for Class IX

New Delhi, Agency: NCERT's new Class IX social science textbook puts those who resisted conquest at the centre of medieval India's story, recounting, for instance, Queen Naiki Devi's defeat of Muhammad Ghuri in 1178 near Mount Abu. The account also acknowledges cooperation across faiths, within a wider curricular shift connecting India's traditions with contemporary governance and lessons in taxation, insurance and entrepreneurship.

The new six-chapter Part 2 of "Understanding Society: India and Beyond" covers history, geography, political science and economics. It continues an overhaul of the earlier syllabus in which class IX history opened with the French Revolution, while economics focused on village production, poverty and food security. It follows the National Curriculum Framework for School Education 2023. Its geography chapters cover "Oceans and Life" and "Life on Earth".

"Resistance and Resilience (1000-1700 CE)" foregrounds Maharana Pratap's resistance, Lachit Borphukan's victory at Saraighat and Sikh opposition to Mughal persecution. Rani Abbakka Chowta's resistance to the Portuguese extends the account beyond confrontations with Muslim rulers. It examines temple destruction and restoration, alongside the role of trade and Bhakti traditions in sustaining communities.

The emphasis on resistance comes with qualifications. Akbar's later rule is described as relatively inclusive; Sufism receives attention, while Muslim poets Raskhan and Rahim feature among Bhakti contributors. The chapter describes a period of "both conflict and cooperation".

BJP asks chief secy to 'throw away' statehood resolution, says it will strain Centre-J&K ties

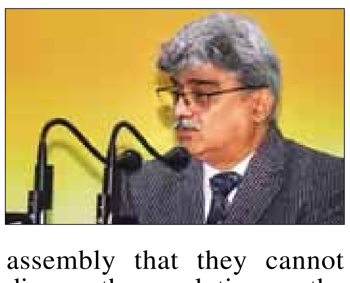

Srinagar, Agency: A day after the Jammu & Kashmir assembly passed a resolution seeking restoration of statehood with a reference to autonomy, leader of opposition Sunil Sharma said the move would strain Centre-J&K relations and urged chief secretary Atal Dulloo not to forward the resolution to the Union govt. The BJP member also demanded speaker Abdul Rahim Rather's resignation and claimed that Union home minister Amit Shah was unhappy about the resolution.

"Already the chief secretary and the law secretary gave their opinion to the assembly that they cannot discuss the resolution as the issue is sub judice. Their communication to the assembly secretariat ahead of the resolution is an indication that the resolution is anti-Constitution. We expect the chief secretary not to forward the resolution to the Centre and throw it away," Sharma

In a first, government admits in SC problem of exorbitant pricing of drugs, promises fix

New Delhi, Agency: With Supreme Court toughening its stand against poor patients being forced to pay exorbitant prices for medicines, govt on Tuesday admitted that there was a problem and assured the court it would make efforts to address it.

A bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta said there was no rationale for controlling the price of a few scheduled medicines and allowing the rest to be sold at inflated prices as all medicines are essential. It suggested a uniform rule limiting the MRP to not more than 16% above the price to the retailer (PTR). SG Tushar Mehta told SC that he had discussed the issue with official concerned. Govt was not taking an adversarial stand on it, he said, seeking time for further consultations to find a solution. "We will have to find a way out. Some way that balances equities... let me sit with officers and then respond," he said.

The court said taxpayers' money was also wasted because of exorbitant medicine prices as corporate hospitals obtain full reimbursement for inflated MRPs when patients undergo treatment under govt-sponsored welfare schemes, with the money being paid from the exchequer.

FCRA bill improvement on existing law, says government

New Delhi, Agency: The vesting of assets is the single-most contentious provision in the Foreign Contribution (Regulation) Amendment Bill but the law ministry on Tuesday said the proposal was, in fact, an improvement upon the existing law as its structured framework enhanced legal certainty, administrative efficiency and accountability in managing foreign-funded assets.

The current law provides for vesting of assets but does not specify the nature, duration and finality of such vesting, the ministry told a joint committee of Parliament, which is examining the bill, adding that it led to an open-ended custodial arrangement and administrative difficulties in managing assets, sources said.

The ministry was represented by legislative secretary Rajiv Mani at the meeting where State Bank of India, the only bank designated to receive foreign contributions at its New Delhi main branch, supported the bill's objectives but made a host of suggestions, flagged concerns and sought more clarity, including on how to handle an organisation's accounts and deposits when its permission to receive foreign donations ends.

MPs from opposition parties and BJP clashed over provisions of the bill with two DMK MPs, A Raja and P Wilson, dubbing the bill violative of Article 300(A), which says no one will be deprived of their property save by the authority of law. They argued that the Supreme Court has in its rulings explained the ground on which the govt can seize properties and the FCRA bill was violative of this. BJP MP Nishikant Dubey said laws overseeing trusts and societies had similar provisions for seizure of assets.

Turning to alleged misuse of foreign money for conversion, he said this allowed a person converted to a minority religion to enjoy twin quota benefits in some cases, which violated the right to equality. A team of senior SBI officials led by its chairperson C S Setty said while the bill provided for govt control of foreign contributions and assets in such cases, it left the detailed banking procedure to be prescribed in rules, sources said.

Karnataka challenges high court order for SIT probe into KPSC job 'scams'

New Delhi, Agency: At a time when Congress is backing students' agitation seeking transparency in public examinations and accountability from the authorities, the Karnataka government has moved the Supreme Court, challenging the HC's Sept 21 decision to order an SIT probe into two tainted recruitment tests conducted by the Karnataka Public Service Commission (KPSC).

HC had constituted an SIT to probe the recruitment of 50 industrial extension officers, which saw the daughter of the KPSC chairman being selected in the results declared on June 10. This led to the governor suspending the KPSC chairman. In the recruitment of 400 veterinary officers, final selection results for which were declared on July 13, it was alleged that bribes of up to Rs 80 lakh were demanded by middlemen to provide candidates with answers, along with a promise to tamper with OMR sheets to ensure selection.

Appearing for the DK Shivakumar government, senior advocate Sidharth Luthra told a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana that a "de novo" probe by the SIT may invalidate critical evidence - seized original OMR sheets, recovered digital devices, money in frozen bank accounts and arrest of conspirators - already collected by the state CID.

Seeking a stay on the HC order and continuance of investigations by CID, the state said the HC directive "will jeopardise ongoing custody and bail proceedings. The CID has already arrested key figures, including Gyanendra Kumar, IAS (former KPSC controller of examinations), and Basavaraj Kannale (a key middleman who was detained at Delhi airport while attempting to flee the country)". The state also questioned the high court for directly selecting police officers for the SIT without consulting them.

'If appeased, Nitish wouldn't have defected', says Digvijay Singh

New Delhi, Agency : Congress veteran Digvijaya Singh Tuesday told CWC that the political landscape would have been different if Nitish Kumar had been accommodated in 2023, referring to the JDU chief's then aspiration of becoming the convener of opposition INDIA bloc for Lok Sabha polls.

Intending to stress that Congress should try to spread the opposition umbrella as BJP and RSS are on a weak footing, his argument was that if appeased, Kumar would not have defected to the BJP camp.

As the remark triggered murmurs, members led by Kharge rebutted the claim saying Kumar was never interested.

Budgam encounter: Army kills LeT terrorist in fierce gunfight in Yousmarg;

New Delhi, Agency : The Army on Tuesday killed a Lashkar-e-Taiba (LeT) terrorist during an encounter in the higher reaches of central Kashmir's Budgam district, security officials said. The encounter took place in the Korag area of Yousmarg after security forces launched a joint search operation based on specific intelligence inputs.

The operation was conducted by the Army, Jammu and Kashmir Police and CRPF Srinagar. The forces were searching the general area of Korag when troops noticed suspicious activity. The troops challenged the suspected terrorists. The terrorists responded by opening fire. Security forces then retaliated, leading to a fierce exchange of gunfire.

One terrorist was killed in the exchange. The Army identified him as a member of the banned Lashkar-e-Taiba.

Operation still under way: The security forces continued their operation in the area after the terrorist was neutralised. Searches were being conducted in the surrounding areas to check for any other terrorists.

In a post on X, the Army's Chinar Corps said, "Based on specific intelligence input, a joint search operation was launched by the Army, J&K Police and CRPF Srinagar in the general area of Korag, Yousmarg.

"Vigilant troops observed suspicious activity, and upon being challenged, terrorists opened fire, prompting a fierce exchange of gunfire in which one terrorist was neutralised. Operation is in progress." Based on specific intelligence input, a Joint Search Operation was launched by #IndianArmy, @JmuKmrPolice and @crpf_srinagar in general area Korag, Yousmarg.